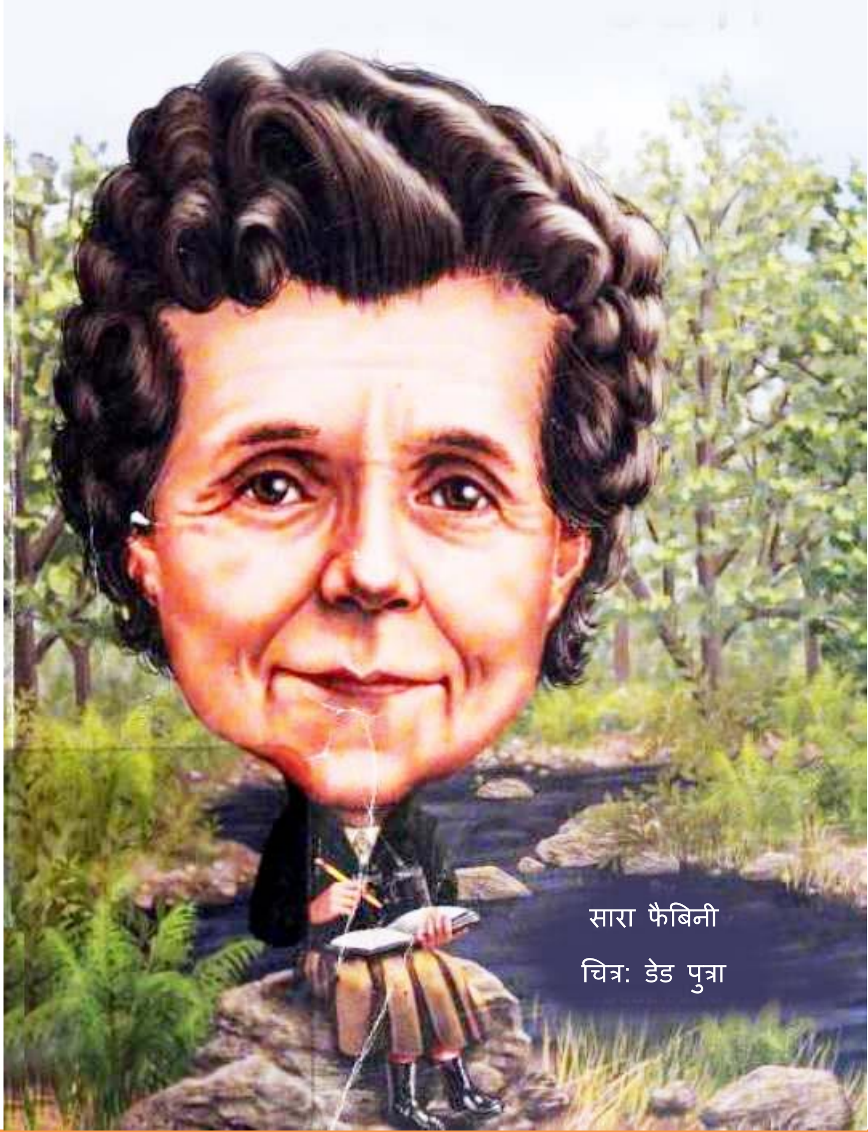
रेचल कार्सन कौन थीं?



सारा फैबिनी

चित्र: डेड पुत्रा

रेचल कार्सन कौन थीं?



रेचल कार्सन कौन थीं?

सारा फैबिनी

चित्र: डेड पुत्रा

विषयवस्तु

रेचल कार्सन कौन थीं?



जब वो छोटी लड़की थीं तो रेचल कार्सन को अपने परिवार के फार्महाउस के बरामदे में बैठना और अपनी माँ के शंख को अपने कान के पास रखना पसंद था.

रेचल ने शंख को अपने कान से दबाया, और फिर उसने अपने घर के आसपास के खेतों और जंगलों को देखा. रेचल पौधों, जानवरों, और यहाँ तक कि खेतों और जंगलों में रहने वाले कीड़ों से भी प्यार करती थी. लेकिन शंख के अंदर से आने वाली जादुई आवाजों से उसे समुद्र का आभास होता था. किसी भी चीज़ से बढ़कर, रेचल समुद्र के किनारे पर खड़े रहना चाहती थी. वो लहरों को अपने पैरों को धोते हुए महसूस करना चाहती थी.

रेचल एक शर्मीली लड़की थी, लेकिन वो दृढ़ निश्चयी भी थी. उसने न केवल समुद्र का सपना देखा, बल्कि उसने एक लेखक बनने का भी सपना देखा. रेचल जानती थी कि अगर उसने कड़ी मेहनत की तो शायद किसी दिन उसके सपने सच भी हो सकते थे. और ठीक ऐसा हुआ भी. भले ही रेचल ने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन अपनी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के कारण वो एक लेखिका बनी - एक ऐसी लेखिका जो समुद्र, समुद्र के किनारे और समुद्र के उन सभी प्राणियों के बारे में जानती थी जिन्होंने समुद्र को अपना घर बनाया था.



अपनी पुस्तकों में, रेचल ने प्रकृति के बारे में वैज्ञानिक विचारों को इस तरह से समझाया कि सामान्य लोग भी उन्हें समझ सकें. उसने यह भी दिखाया कि सभी जीवित चीजें आपस में एक-दूसरे से कैसे जुड़ी हुई थीं. रेचल चाहती थीं कि लोग यह समझें कि जिस ग्रह को लोग – पौधे, कीट और अन्य जीव एक साथ साझा करते थे, उस पृथ्वी की देखभाल करना कितना महत्वपूर्ण था.

जब वो अपने परिवार के बरामदे पर अपने कान के पास सीप लगाए बैठी थी, तो रेचल को यह पता नहीं था कि उसका सपना एक दिन उस दुनिया को आकार देने में मदद करेगा जिसमें हम सभी लोग रहते हैं.

अध्याय 1

बड़े और छोटे जीव



रेचल कार्सन का जन्म 27 मई, 1907 को स्प्रिंगडेल, पेन्सिलवेनिया में हुआ था. उनकी माँ, मारिया मैकलीन, एक प्रेस्बिटेरियन पादरी की बेटी थीं. वो कभी एक स्कूली शिक्षिका रह चुकी थीं, जो निजी पियानो पाठ भी देती थीं.

रॉबर्ट कार्सन से शादी करने के बाद मारिया को अपनी नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उस समय विवाहित महिलाओं को पेंसिल्वेनिया में पढ़ाने की अनुमति नहीं थी.

रेचल के पिता, रॉबर्ट, स्प्रिंगडेल में पैंसठ एकड़ खेत और जंगल के मालिक थे, जो पिट्सबर्ग के उत्तर में लगभग पंद्रह मील की दूरी पर एलेघेनी नदी के पास स्थित था. संपत्ति में एक छोटा, दो मंजिला मकान, एक खलिहान, आउटहाउस, एक मुर्गियों का दबड़ा और एक स्प्रिंगहाउस शामिल था.





कार्सन परिवार ने कुछ सूअर, घोड़े, गाय और मुर्गियाँ भी रखीं थीं. रेचल के जन्म के समय तक, उसके पहले से ही दो बड़े भाई-बहन थे - एक बहन, मैरियन और एक भाई, रॉबर्ट जूनियर.



रेचल और उसके कुत्ते कैंडी ने, अपने घर से घिरी ज़मीन की खोज में काफी समय बिताया. वो जंगल और खेत, सभी प्रकार के पौधों, जानवरों और कीड़ों से भरे हुए थे, और रेचल उन सभी पर मोहित थी. रेचल के भाई और बहन उससे बहुत बड़े थे, इसलिए रेचल अपना बहुत समय अकेले ही बिताती थी. लेकिन उसे इससे कोई शिकायत नहीं थी, क्योंकि वो सभी प्राणियों को अपना मित्र मानती थी. उसने पक्षियों को अपना घोंसला बनाते, तितलियों को घास में उड़ते और नदियों में तैरती मछलियों को देखा.

हालाँकि झरने के तेज़ पानी से रेचल खुश होती थी, लेकिन उसका सबसे बड़ा सपना समुद्र देखने का था. रेचल की माँ के पास एक शंख था, और रेचल को उसे अपने कान से लगाकर रखना बहुत पसंद था. वो दिखावा करती थी कि वो शंख से समुद्र तट पर लहरों को ऊपर-नीचे भागते हुए सुन सकती थी.

रेचल की माँ एक उत्साही पक्षी-निरीक्षक थीं. उनका भी यह मानना था कि युवाओं के लिए प्रकृति का अध्ययन बहुत महत्वपूर्ण था.

मिसेज़ कार्सन ने रेचल को सिखाया कि लोगों को, अपनी दुनिया को, अन्य प्राणियों के साथ साझा करना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए. रेचल अपनी माँ को, कीड़े-मकोड़े घर से बाहर ले जाते हुए देखती थी. रेचल की मां के पास मक्खी मारने वाला फ्लाईस्वैटर तक नहीं था!

रेचल और उसकी माँ खेतों और जंगलों में लंबी सैर करती थीं. जब रेचल अपने निरीक्षण के बाद किसी विषय के बारे में प्रश्न पूछती, तब माँ उनका उत्तर देती थीं. अगर वो रेचेल के सवाल का जवाब नहीं दे पातीं, तो वो रेचल को, विज्ञान और प्रकृति की किताबों में उस जवाब खोजने का तरीका समझाती थीं.



फिर रेचेल ने अपने भाई को, परिवार की जमीन पर खरगोशों का शिकार बंद करने के लिए राजी किया, क्योंकि उससे उसे बीट्रिक्स पॉटर की किताबों के पात्रों की याद आई, जो माँ ने उसे पढ़कर सुनाईं थीं.

रेचल ने 1913 के पतझड़ में स्कूल शुरू किया. उसे स्कूल और पढ़ाई बहुत पसंद थी, लेकिन वो अक्सर घर पर ही रही. यदि मौसम बहुत ठंडा होता, तो रेचल घर पर ही रहती थी और तब उसकी माँ ही उसे पढ़ाती थीं. यदि कक्षा के अन्य बच्चे बीमार होते, तो मिसेज़ कार्सन, रेचल के बीमार होने का जोखिम नहीं उठाना चाहती थीं. भले ही रेचल बहुत दिन स्कूल नहीं गई, लेकिन फिर भी वो एक अव्वल छात्रा थी. मिसेज़ कार्सन खुद एक उत्कृष्ट टीचर थीं; आखिर वो एक स्कूली अध्यापिका रह चुकी थीं.

अध्याय दो

एक लेखक का जन्म



रेचल की पसंदीदा पुस्तकें "द विंड इन द विलो" और पीटर रैबिट की पुस्तकें थीं. उनमें जानवरों और प्रकृति के बारे में कहानियाँ थीं. रेचल को पढ़ना बहुत पसंद था. उसने अपने पिता से विनती की कि वो जब कभी शहर जाएं तो उसे भी अपने साथ लेकर जाएं ताकि वो पुस्तकालय जा सके. जल्द ही रेचल ने जानवरों और प्रकृति के आश्चर्य के बारे में अपनी खुद की कहानियाँ लिखना शुरू कर दीं.

रेचल के पास हर महीने "सेंट निकोलस" नामक एक पत्रिका डाक से आती थी. वो बच्चों की एक पत्रिका थी जो कहानियों और कविताओं से भरी हुई होती थी.

उसमें मार्क ट्वेन और लुईसा एम. अलकॉट जैसे लेखकों और नॉर्मन रॉकवेल जैसे कलाकारों के चित्र होते थे. पत्रिका के सबसे पसंदीदा खंड का नाम "सेंट निकोलस लीग" था.



उस खंड में प्रतियोगितायें होती थीं और बच्चों द्वारा लिखे लेख, कहानियां और चित्र भी छपते थे. विजेताओं को सोने के बैज (बिल्ला) और उप-विजेताओं को चांदी के बैज दिए जाते थे.

फिर सिल्वर और गोल्ड बैज जीतने वाले बच्चे पत्रिका के सम्मानित मेंबर बन जाते थे. उन्हें नकद पुरस्कार भी मिलते थे.

जब रेचल दस वर्ष की थी, तो उसने "सेंट निकोलस" पत्रिका में अपनी लिखी एक कहानी भेजने का फैसला किया. उसे लगा कि शायद उसे अपनी कहानी के लिए पुरस्कार मिले. रेचल निश्चित नहीं थी कि वो किस बारे में लिखना चाहती थी, लेकिन उसके भाई रॉबर्ट ने उसे एक विचार सुझाया. उस समय रॉबर्ट, प्रथम विश्व युद्ध में लड़ रहे थे और अमेरिकी सेना में एक फौजी थे. घर पर अपने एक पत्र में उन्होंने परिवार को एक कैनेडियन पायलट के बारे में बताया. हवाई-जहाज़ का एक पंख के टूट जाने के बाद भी पायलट ने अपने विमान को उड़ाए रखा था.



रेचल ने अपनी कहानी पर बहुत मेहनत की और अंत में उसने उसे पत्रिका को भेजा. फिर वो पत्रिका का जवाब सुनने के लिए इंतजार करती रही. 1918 की एक सितंबर की सुबह, रेचेल को पत्रिका का एक ताज़ा अंक मिला. उसमें "सेंट निकोलस लीग" सेक्शन में उसकी कहानी छपी थी. "ए बैटल इन द क्लाउड्स" शीर्षक के नीचे उसका नाम था, और उसके नीचे "सिल्वर बैज" शब्द थे.



रेचेल के लिए सिल्वर-बैज पुरस्कार जीतना बहुत रोमांचक था. पुरुस्कार ने उसे और कहानियाँ लिखने के लिए प्रेरित किया. उनमें से अधिकांश कहानियां प्रथम विश्व युद्ध के बारे में थीं. फरवरी 1919 में, रेचल को उसकी एक कहानी के लिए पत्रिका से एक सोने का बैज मिला. क्योंकि रेचल ने एक चांदी और एक सोने का बैज जीता था, इसलिए उसे नकद पुरस्कार भी मिला. पुरस्कार दस डॉलर था, जो उस समय बहुत बड़ी रकम थी. फिर रेचल को लगा कि शायद वो किसी दिन एक असली लेखिका भी बन सकती थी.

और वो दिन रेचल की कल्पना से कहीं जल्दी ही आया. उसने अपनी आठवीं कक्षा में अंग्रेजी विषय में एक निबंध लिखा - कि उसे "सेंट निकोलस" पत्रिका क्यों पसंद थी. और फिर "सेंट निकोलस" पत्रिका ने अपने विज्ञापन में उपयोग करने के लिए उसका वो निबंध खरीद डाला! उन्होंने रेचल को प्रति शब्द एक पैनी (पैसे) का भुगतान किया, जो तीन डॉलर से थोड़ा अधिक था. वो पैसा इतना था कि पुरस्कार के बाद में रेचल ने कहा कि वो "ग्यारह साल की उम्र में एक पेशेवर लेखिका बन गई थी."

जिस लिफाफे में चेक आया था उस पर रेचल ने "पहली कमाई" लिखा और फिर उस लिफ़ाफ़े को कभी नहीं फेंका.



रेचल ने हाई स्कूल में प्रवेश करने के बाद भी कहानियाँ लिखना जारी रखा. उसने अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के लिए भी कड़ी मेहनत की ताकि वो कॉलेज जा सके. रेचल कॉलेज जाने के लिए दृढ़ थी.

रेचल को अकेले समय बिताना और जब आसपास कोई न होता तब लिखना पसंद था. क्योंकि वो एक गंभीर छात्रा थी, इसलिए उसके शिक्षक उससे खुश थे. लेकिन रेचल बड़ी शर्मीली थी.



सेंट निकोलस पत्रिका



वो आदमी जिसने सेंट निकोलस पत्रिका शुरू की वो हॉलैंड के डॉ. जोशियाह गिल्बर्ट थे. वो "बच्चों के लिए एक जीवंत, अच्छी तरह से लिखी गई कहानियों, कविताओं और लेखों की एक पत्रिका" चाहते थे. मैरी मैप्स डॉज खुद बच्चों की पुस्तकों की लेखिका थीं इसलिए उन्हें उसका संपादक बनाया गया और उन्हें पत्रिका की देखरेख का काम सौंपा गया. क्योंकि वो खुद एक लेखिका थीं, इसलिए उन्होंने पत्रिका को "बच्चों के खेल के मैदान" के रूप में देखा, जो बच्चों को आनंदित कर सके और साथ बच्चे उसके प्रभारी भी हों. पत्रिका पहली बार 1873 में प्रकाशित हुई, और उसका आखिरी अंक लगभग सत्तर साल बाद, 1940 में प्रकाशित हुआ.

पत्रिका में रॉबर्ट लुइस स्टीवेन्सन, एमिली डिकिंसन, और लौरा इंगल्स वाइल्डर जैसे प्रसिद्ध लेखकों के लेख छपे. पत्रिका ने एफ. स्कॉट फिट्जगेराल्ड, विलियम फॉल्कनर, और ई. ई. कमिंग्स जैसे लेखकों और कवियों को शुरुआत करने में भी मदद की.



मैरी मैप्स डॉज



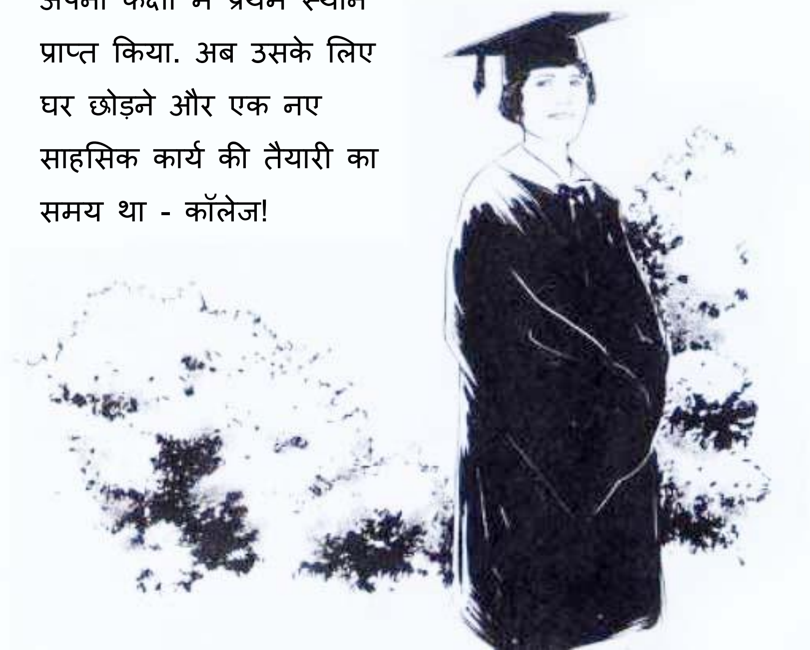
रेचल के कुछ सहपाठियों को लगा कि वो टीचर की प्रिय थी. रेचेल ने हाई स्कूल में फील्ड हॉकी टीम में शामिल होने का फैसला किया ताकि वो अपने और दोस्त बना सके.

उसे हॉकी के मैदान में बाहर रहना भी पसंद था, और उसे टीम में शामिल होना भी पसंद था. उसने बास्केटबॉल भी खेली और हाई-स्कूल फ़ुटबॉल टीम के लिए रैलियों में अपनी टीम का हौंसला बढ़ाया.

भले ही रेचल को खेल और अपने नए दोस्त पसंद थे, फिर भी स्कूल का काम उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण था. उसके सहपाठियों ने उसके बारे में एक कविता लिखी और हाई-स्कूल वार्षिक पत्रिका में उसकी तस्वीर के साथ लगाई :

रेचल दोपहर के सूरज की तरह है
हमेशा बहुत उज्ज्वल.
उसकी पढ़ाई तभी रूकती है
जब वो सब कुछ ठीक तरह से समझ लेती है.

रेचल ने हाई स्कूल में अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया. अब उसके लिए घर छोड़ने और एक नए साहसिक कार्य की तैयारी का समय था - कॉलेज!



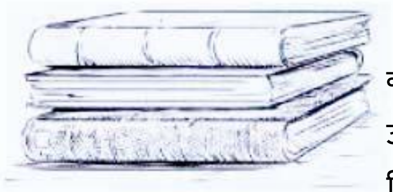
अध्याय 3

रास्ते का चयन



रेचल ने 1925 के पतझड़ में, "रोरिंग ट्वेंटीज़" के मध्य में कॉलेज की शुरुआत की. उसने स्प्रिंगडेल से पेन्सिलवेनिया कॉलेज फॉर वूमेन तक केवल सोलह मील की कार की सवारी थी, लेकिन वो रेचल के लिए एक नई दुनिया में जाने जैसा था.

रेचल की मां चाहती थीं कि उनकी बेटी घर के नजदीक ही, एक सभी लड़कियों वाले स्कूल में पढ़े. मिसेज़ कार्सन ने सोचा कि पिट्सबर्ग में पेंसिल्वेनिया कॉलेज फॉर वूमेन, रेचल के लिए एक आदर्श स्थान होगा. रेचल अपनी मां की पसंद से खुश थी, लेकिन कॉलेज के पहले वर्ष की फीस एक हजार डॉलर थी, और कार्सन परिवार के पास रेचल की शिक्षा पर खर्च करने के लिए उतने पैसे नहीं थे. सौभाग्य से, कॉलेज के डीन चाहते थे कि रेचेल वहाँ आकर पढ़े, इसलिए स्कूल ने उसे एक छात्रवृत्ति दी. उन्होंने रेचल को ऋण प्राप्त करने में भी मदद की जिससे उसके बाकी खर्चे - ट्यूशन, कमरा और खाना और सभी किताबों का खर्च भी निकल जाए.



शर्मीली रेचल के लिए कॉलेज एक नई चुनौती थी. उसके पास उतने पैसे नहीं थे जितने उसके कई अन्य सहपाठियों के पास थे. उसके पास उनके जैसे फैंसी कपड़े भी नहीं थे. और रेचल फिल्मों में जाने या उनके साथ बाहर खाने-पीने का भी जोखिम नहीं उठा सकती थी.

(उसने स्प्रिंगडेल से यात्रा करने के लिए एक मॉडल टी फोर्ड कार उधार ली थी!) रेचल के लिए तब कठिन रहा होगा कि जब वो अपने सहपाठियों के साथ मौज-मस्ती के लिए बाहर नहीं जा पाती थी. लेकिन वो हमेशा खुद को याद दिलाती थी कि वो कॉलेज में सीखने के लिए आई थी न कि मौज-मस्ती करने के लिए.

क्योंकि वो एक लेखिका बनना चाहती थी, रेचल ने कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य का अध्ययन करने का फैसला किया. रेचल की अंग्रेजी की शिक्षिका मिस ग्रेस क्रॉफ थीं. वो जल्द ही रेचेल की पसंदीदा शिक्षिका बन गईं. और रेचल जल्द ही मिस क्रॉफ की पसंदीदा छात्रों में से एक बन गई. टीचर ने रेचल के दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की और देखा कि रेचल में असली प्रतिभा थी.

लेकिन अंग्रेजी साहित्य के अलावा भी रेचेल को कॉलेज में अन्य विषय पढ़ने थे. संगीत में रेचल ने वायलिन सीखा. पेंसिल्वेनिया कॉलेज फॉर वूमेन में, अपने दूसरे वर्ष में, रेचल को विज्ञान का विषय भी लेना पड़ा.

उसने जीव-विज्ञान विषय चुना, जो पौधे और पशु जीवन का अध्ययन था. हालाँकि वो प्रकृति से प्यार करती थी, रेचेल वास्तव में विज्ञान का कोर्स नहीं करना चाहती थी, क्योंकि हाई-स्कूल में उसकी विज्ञान की कक्षाएँ एकदम नीरस और उबाऊ थीं.



लेकिन मिस मैरी स्किंकर की जीव-विज्ञान कक्षाओं ने रेचल का जीव-विज्ञान पढ़ने के बारे में मन बदल दिया. मिस स्किंकर में प्राकृतिक दुनिया के लिए वैसा ही जुनून था जैसा रैचेल को था. और रेचल तब बहुत रोमांचित हुई जब उसे पता चला कि जीव-विज्ञान कक्षाओं में पास के पार्कों में फील्ड यात्राएं भी शामिल थीं.



मैरी स्किंकर

एक यात्रा पर मिस स्किंकर ने सभी छात्रों को हथौड़ों और छेनी से, चट्टान की परतें अलग-अलग करने को कहा. रेचल ने सख्त, धूसर चट्टान का एक टुकड़ा तोड़ा. जब वो टुकड़ा खुला तो उसे कितना आश्चर्य हुआ! चट्टान के अंदर एक मछली का जीवाश्म था जो कभी एक प्राचीन समुद्र में तैरती थी. मिस स्किंकर ने समझाया कि कॉलेज के पास का वो सूखा, पथरीला क्षेत्र बहुत समय पहले समुद्र का तल था.



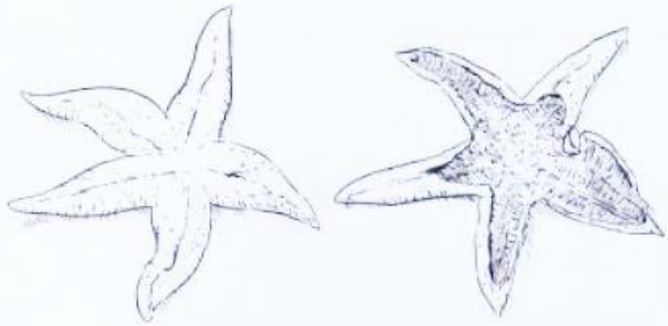
रेचल को यह पता लगाना भी पसंद था कि जीवित चीजें कैसे चलती थीं, सांस लेती थीं और खाती थीं. अपने कोर्स के दौरान उसे जानवरों की चीर-फाड़ करनी थी. फिर छात्रों ने टिड्डे, मेंढक, और स्टार-फिश की चीर-फाड़ और उनके आंतरिक अंगों को निहारा.

जबकि कुछ छात्रों को वो एक गन्दा काम लगा लेकिन रेचल उस पर मोहित हुई. वो सीख रही थी कि जिस वन्य जीवन से वो इतना प्यार करती थी वो कैसे जीवित रहता था और बढ़ता था.

मिस स्किंकर की जीव-विज्ञान की कक्षा ने रेचेल को इतना उत्साहित किया कि उसने विज्ञान की अन्य कक्षाएं भी लेने का फैसला किया.



उसकी मुख्य रुचि जूलॉजी यानि जीव-विज्ञान में थी, जो पशु जीवन का अध्ययन था. और यह वही जानवर थे जो समुद्र में रहते थे और जो रेचल को सबसे अधिक आकर्षित करते थे.



अंग्रेजी कक्षाओं में रेचेल के ग्रेड उत्कृष्ट थे, और उसे मिस क्रॉफ से सीखना बहुत पसंद था. लेकिन रेचल को विज्ञान की कक्षाएं भी पसंद थीं. अब उसे निर्णय लेना था, और अंग्रेजी या विज्ञान के विषय में से एक को चुनना था. रेचल को चिंता थी कि अगर उसने विज्ञान चुना, तो उसे अंग्रेजी कक्षाओं की याद आएगी. और अगर उसने अंग्रेजी चुनी, तो रेचल फिर मिस स्किंकर से, प्राकृतिक दुनिया की सुंदरता के बारे में नहीं सीख पायेगी.

एक रात जब वो अपने छात्रावास के कमरे में बैठी थी, तब रेचल ने अपने शेल्फ से कविता की एक किताब उठाई. तभी बाहर एक तूफान आया और उसने "लॉकस्ली हॉल" नामक कविता पढ़ी. रेचल की तरह कविता में मुख्य पात्र को भी एक कठिन निर्णय लेना था. जब रेचल अपने बिस्तर पर बैठी थी, तब उसने तूफान को सुना, और यह तय करने की कोशिश की, कि उसे क्या करना चाहिए, तभी अचानक उसने कविता की एक पंक्ति पढ़ी. वो थी, "क्योंकि प्रचण्ड वायु उठती है, समुद्र की ओर गरजती है, इसीलिए मैं जाती हूँ."



एक महिला का स्थान



1920 में महिलाओं ने वोट देने का अधिकार जीता था. और 1920 के दशक के मध्य में युवा महिलाओं के लिए कॉलेज जाना असामान्य नहीं था. 1923 तक अमरीका में महिलाओं ने प्राप्त कॉलेज डिग्रियों में से 39 प्रतिशत अर्जित की थीं. लेकिन भले ही उस समय महिलाएं कॉलेज जाती हों लेकिन स्नातक होने के बाद उनके लिए काम ढूंढना आसान नहीं था. पेशेवर दुनिया में पुरुषों का दबदबा था, जबकि महिलाएं - स्नातक होने के बाद भी - उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे घर पर ही रहें और पत्नियों और माताओं के रूप में व्यस्त रहें.

रेचल के सिर में उस कविता के शब्द अटक गए. उसने उन्हें बार-बार पढ़ा. उस समय रेचल को यह यकीन हो गया, कि किसी तरह उसका जीवन, समुद्र से जुड़ा होगा. उसने फैसला लिया कि वो एक लेखक के जीवन के बजाए एक वैज्ञानिक का जीवन चुनेगी.

अध्याय 4

बड़े सपने देखना

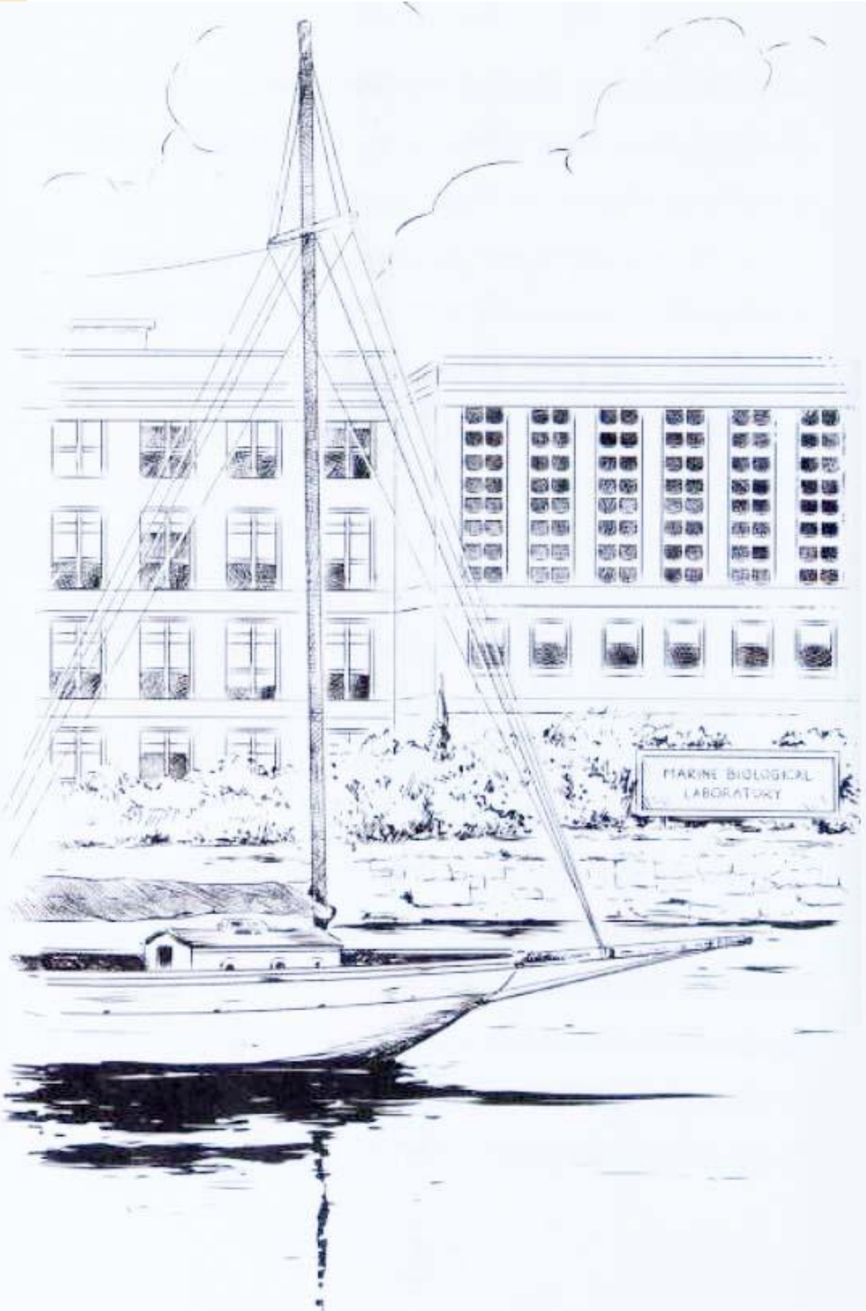


रेचल के सहपाठियों ने सोचा कि वो एक बड़ी गलती कर रही थी. 1920 के दशक में एक युवा महिला के रूप में एक वैज्ञानिक की तुलना में एक लेखक के रूप में नौकरी पाना ज़्यादा आसान था. लेकिन एक बार रेचल ने किसी चीज़ के बारे में अपना मन बना लिया, तो फिर वो उसे पूरा करने के लिए दृढ़ थी.

रेचल ने अगले दो वर्षों तक स्कूल में कठिन अध्ययन किया. उसने स्कूल के अखबार के लिए भी काम किया और हॉकी की टीम में भी खेली.

पेंसिल्वेनिया कॉलेज फॉर वूमेन में अपने अंतिम वर्ष के वसंत में, रेचल ने स्नातक छात्र के रूप में जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में आवेदन किया. वो विज्ञान की पढ़ाई जारी रखना चाहती थी. जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी एक बहुत प्रसिद्ध स्कूल था. न केवल जॉन्स हॉपकिंस ने रेचल को उसके उत्कृष्ट ग्रेड के कारण स्वीकार किया, बल्कि उन्होंने उसे छात्रवृत्ति भी प्रदान की! रेचल उत्साहित और राहत महसूस कर रही थी. छात्रवृत्ति मिलने का मतलब था कि उसके परिवार को उसकी ट्यूशन के लिए पैसे खोजने की चिंता नहीं करनी होगी.

मैसाचुसेट्स के वुड्स-होल में, समुद्री जैविक प्रयोगशाला ने, रेचल को गर्मी बिताने के लिए आमंत्रित किया. वुड्स-होल एक बहुत प्रसिद्ध शोध प्रयोगशाला थी. रेचल को जाने-माने वैज्ञानिकों के साथ काम करने और समुद्री जीवन का पता लगाने का मौका मिला – उस अनुभव का उसने एक लम्बे अर्से से सपना देखा था.



वुड्स-होल का अनुभव रेचल की उम्मीद से कहीं अधिक अच्छा निकला. पहली बार उसे समुद्र की शक्ति और सुंदरता का अनुभव हुआ, जिसके बारे में उसने कभी पढ़ा भी नहीं था. वुड्स-होल में छह सप्ताह के दौरान, रेचल ने प्रयोगशाला में काम किया. वो समुद्र के किनारे घूमने गई, और उसने कई दोस्त बनाये. उसे लगा कि अब वो वैसा ही जीवन जीना चाहती थीं.



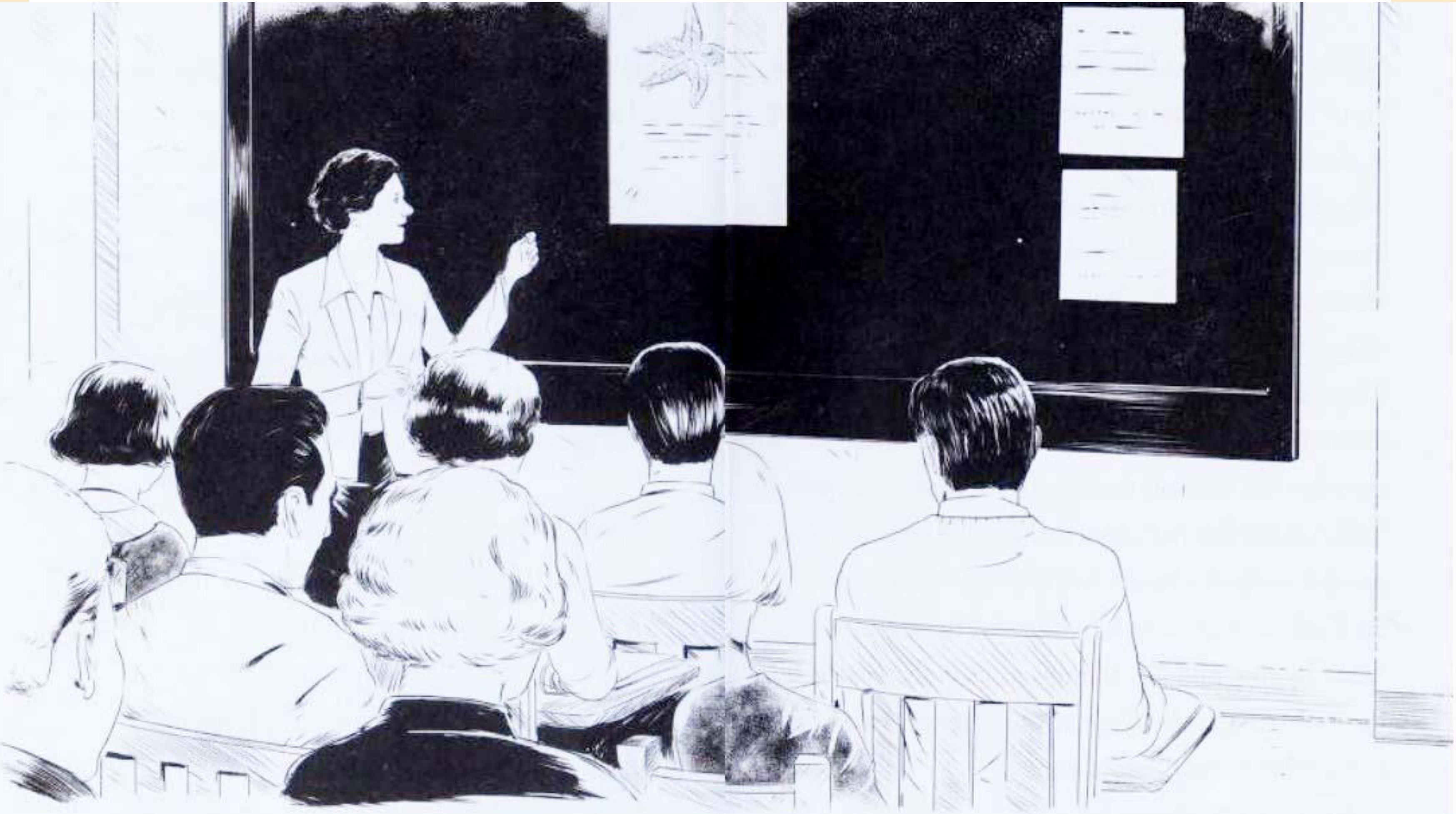
उस साल पतझड़ में बाल्टीमोर, मैरीलैंड में जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय जाते समय रेचल वाशिंगटन, डीसी में अमरीकी ब्यूरो ऑफ फिशरीज में रुकी. वो यह पता लगाना चाहती थी कि जीव-विज्ञानी के रूप में उसे नौकरी पाने के लिए क्या पढ़ना चाहिए. रेचल ने कार्यवाहक निर्देशक मिस्टर एल्मर हिगिंस के साथ बात की. उन्होंने मत्स्य ब्यूरो में उपलब्ध नौकरियों के बारे में उसे बताया. निर्देशक ने रेचल को यह भी बताया कि उन्होंने कभी किसी महिला वैज्ञानिक को काम पर नहीं रखा था.



उसने रेचल को एक वैज्ञानिक के रूप में काम करने के लिए नौकरी खोजने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ बना दिया.



जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में रेचल के स्नातक स्कूल में बहुत कम महिलाएँ थीं. और अपने काम के साथ बने रहना उनके लिए हमेशा आसान नहीं था. नाश्ते के ठीक बाद कक्षाएं शुरू होती थीं जो रात के खाने के बाद तक चलती रहती थीं, इसलिए उसे अकेले पढ़ाई के लिए ज्यादा खाली समय नहीं मिलता था.

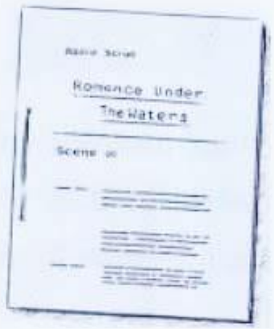


तीन कठिन वर्षों के बाद, रेचल ने 14 जून, 1932 के मास्टर डिग्री प्राप्त की. दुर्भाग्य से, उस समय देश महामंदी के दौर से गुज़र रहा था.

बहुत से लोगों की नौकरी चली गई. उस समय वैज्ञानिकों के लिए काम पाना बहुत मुश्किल था, लेकिन एक महिला वैज्ञानिक होने के कारण नौकरी मिलना और भी कठिन था.

कोई भी एक महिला जीव-विज्ञानी को नियुक्त नहीं करना चाहता था. काफी तलाश के बाद, रेचल को आखिरकार मैरीलैंड विश्वविद्यालय में एक शिक्षक के रूप में नौकरी मिली. काम बिल्कुल वैसा नहीं था जो रेचल करना चाहती थी, लेकिन वो भाग्यशाली थी कि उसे ऐसे कठिन समय में नौकरी मिली. उसने जो पैसा कमाया उससे वो अपने परिवार के उन सदस्यों की मदद कर पाई जो महामंदी के कारण संघर्ष कर रहे थे.

1935 में, रेचल के पिता की मृत्यु हो गई. वो कार्सन परिवार के लिए एक दुखद समय था, और उससे रेचल की माँ का जीवन भी कठिन बना. रेचल को लगा कि उसे अपने परिवार की मदद करने के लिए एक बेहतर नौकरी खोजने की जरूरत थी. इसलिए रेचल फिर से एल्मर हिगिंस से बात करने गई. मिस्टर हिगिंस ने उसे बताया कि मत्स्य ब्यूरो में जीव-विज्ञानी के लिए कोई नौकरी उपलब्ध नहीं थी. लेकिन मिस्टर हिगिंस को शैक्षिक रेडियो कार्यक्रम के लिए स्क्रिप्ट लिखने में मदद करने के लिए एक व्यक्ति की ज़रुरत थी. कार्यक्रम का नाम "रोमांस अंडर-वाटर" था.



अक्सर स्क्रिप्ट लंबे, फैंसी वैज्ञानिक शब्दों से भरी होती थीं जो हमेशा दर्शकों के लिए कुछ भी मायने नहीं रखती थीं. मिस्टर हिगिंस चाहते थे कि श्रोता रेडियो कार्यक्रम का आनंद लें और उससे कुछ सीखें, इसलिए उन्होंने रेचल से कहानियों को समझने में आसान बनाने के लिए कहा. रेचल ने पहले कभी कोई पटकथा नहीं लिखी थी. वो नई नौकरी लेकर पहले ही घबराई हुई थी, लेकिन उसे पता था कि वो एक अच्छी लेखक थी और पानी के नीचे की दुनिया के बारे में वो काफी जानती थी. उसे बस उन दोनों चीज़ों की ही जरूरत थी.

जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय

जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर, मैरीलैंड में, एक सफल व्यवसायी के नाम पर रखा गया था जिन्होंने रेलमार्ग निर्माण से अपना पैसा बनाया था. जब 1873 में उनकी मृत्यु हुई, तो उन्होंने एक विश्वविद्यालय और अस्पताल बनाने के लिए अपनी वसीयत में 7 मिलियन डॉलर छोड़े. उस समय वो अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा परोपकारी (दान किया हुआ) उपहार था. विश्वविद्यालय 22 जनवरी, 1876 को स्थापित किया गया था. पहले वहां केवल पुरुषों को पढ़ने की अनुमति थी. फिर 1880 के दशक में, स्नातक स्कूलों में महिलाओं को भी भर्ती किया गया.



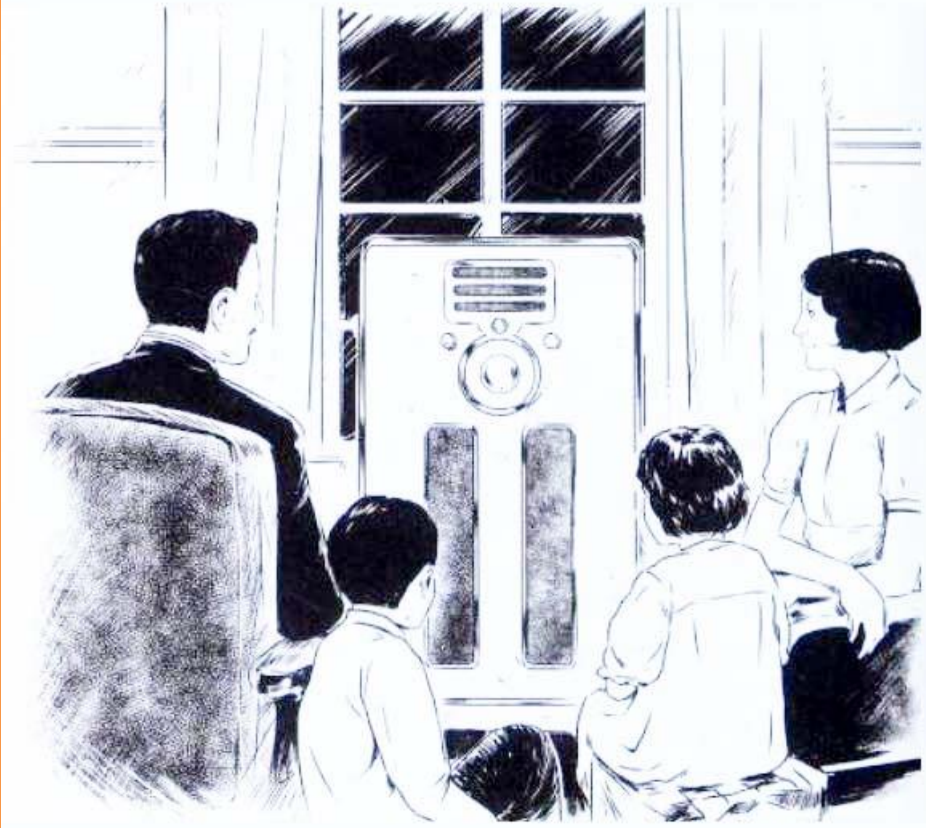


लेकिन लगभग एक सौ साल बाद, 1970 में, महिलाओं को विश्वविद्यालय में स्नातक के रूप में अध्ययन करने की अनुमति मिली. जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय अभी भी, दुनिया के बेहतरीन शोध स्कूलों में से एक है.

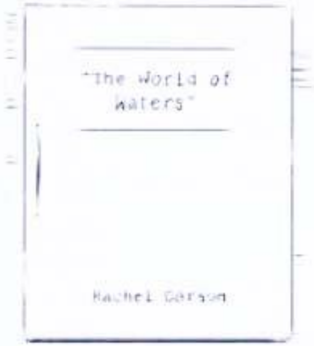
अध्याय 5

कभी हार न मानना

रेचल के लिए वो एकदम सही काम था, और उसका साप्ताहिक प्रसारण जल्द ही एक बड़ी सफलता बन गया.



कुछ समय बाद, मिस्टर हिगिंस ने रेचल से पूछा कि क्या वो मछलियों के बारे में एक पुस्तिका का परिचय लिखना चाहेगी. रेचल मौका पाकर बहुत खुश हुई. उसने परिचय लिखने में काफी समय लगाया. वो चाहती थी कि वो एकदम परफेक्ट हो.



जब रेचल ने अगले दिन मिस्टर हिगिंस को "द वर्ल्ड ऑफ वाटर्स" का परिचय दिखाया, तो उन्होंने अपना सिर हिलाया. रेचल हैरान थी. उसने भला क्या गलती करी थी? रेचल के बॉस ने उन्हें बताया कि परिचय बेहद अच्छा था! उन्होंने रेचल से कहा कि उस परिचय को किसी पत्रिका में प्रकाशित किया जाना चाहिए, न कि किसी सरकारी पुस्तिका में!

हालांकि रेचल को अपनी नौकरी से प्यार था, फिर भी वो अपने परिवार की मदद करने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं कमा पा रही थी. फिर उसने अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए पत्रिकाओं और समाचार पत्रों के लिए लेख लिखना शुरू किए. इस सारे काम का मतलब था कि अब रेचल के पास ज्यादा खाली समय नहीं बचता था, और वो बहुत थक जाती थी. लेकिन वो वही कर रही थी जो उसे सबसे अच्छा लगता था—प्रकृति के बारे में लिखना.



रेचल ने उस "परिचय" को बेचने की कोशिश की जिसे उसके बॉस ने "बहुत अच्छा" कहा था. उसने "द वर्ल्ड ऑफ़ वाटर्स" पर कुछ और काम किया और उसे "द अटलांटिक मंथली" को भेजा, जो एक महत्वपूर्ण पत्रिका थी जो नए लेखकों को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती थी.

वे इसे प्रकाशित करने के लिए सहमत हुए यदि रेचल उसमें कुछ बदलाव करे और उसे एक नया शीर्षक दे. जब "अंडरसी" लेख पत्रिका में छपा, तो रेचल ने उसे मिस्टर हिगिंस को दिखाया. एक बार फिर, मिस्टर हिगिंस ने अपना सिर हिलाया. अब इसमें क्या गलती हो सकती थी? रेचल ने सोचा. इस बार मिस्टर हिगिंस ने कहा कि रेचल को एक सम्पूर्ण किताब लिखनी चाहिए न सिर्फ पत्रिका के लिए एक लेख!



रेचेल का बॉस अकेला नहीं था जिसने सोचा था कि रेचल का काम किसी पत्रिका में एक लेख से अधिक होना चाहिए था. क्विंसी होवे, "साइमन एंड शूस्टर" पब्लिशिंग कंपनी के संपादक, और विलेम वैन लून, एक प्रसिद्ध प्रकृतिवादी, दोनों ने रेचल को लिखा. उन्होंने रेचल को अपने लेख को एक किताब में बदलने के लिए राजी किया.

क्योंकि रेचल एक पूर्णतावादी थी, और क्योंकि वो पूरे समय काम भी कर रही थी, इसलिए उसे अपनी पहली किताब पूरी करने में तीन साल लग गए.



लेकिन 1941 में, "अंडर द सी-विंड" प्रकाशित हुई. रेचल की किताब समुद्र में रहने वाले जीवों के बारे में कहानियों और दिलचस्प तथ्यों से भरी हुई थी. उससे यह भी पता चला कि कैसे दोनों की जिंदगी आपस में जुड़ी हुई थीं. रेचल ने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जो "वैज्ञानिक" नहीं थे और कोई भी आम इंसान उन्हें आसानी से समझ सकता था और उनका आनंद ले सकता था.



रेचल की पुस्तक को उत्कृष्ट समीक्षाएँ मिलीं, लेकिन वो किताब अच्छी बिकी नहीं. "अंडर द सी-विंड" प्रकाशित होने के एक महीने बाद, अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में प्रवेश किया. अचानक देश, युद्ध की स्थिति में था, और लोग चिंतित थे कि उनका जीवन कैसे चलेगा. समुद्री जीवन और समुद्र के बारे में किताब पढ़ने में, तब किसी की कोई दिलचस्पी नहीं थी.

रेचल इस बात से परेशान थी कि पुस्तक को अच्छी समीक्षाएँ मिलने के बावजूद बहुत कम लोगों ने उसे खरीदा या पढ़ा था.

रेचल ने अपने एक दोस्त से कहा, "कभी कोई किताब मत लिखना," क्योंकि वो "अंडर द सी-विंड" की कम बिक्री से बहुत निराश थीं.

द फिश एंड वाइल्डलाइफ सर्विस (मत्स्य ब्यूरो का नया नाम) युद्ध के दौरान बहुत व्यस्त था. वे 1942 के वसंत में अपने कार्यालयों को वाशिंगटन, डीसी से शिकागो ले गए और उन्होंने रेचल को, "फूड फ्रॉम द सी" सीरीज़ पर काम करने के लिए नियुक्त किया. युद्ध राशनिंग का मतलब था कि लोग अधिक मछली और कम मांस खा रहे थे. "द फ़ूड फ्रॉम द सी" बुलेटिन लोगों को विभिन्न प्रकार की मछलियों के बारे में सिखाने का एक तरीका था.



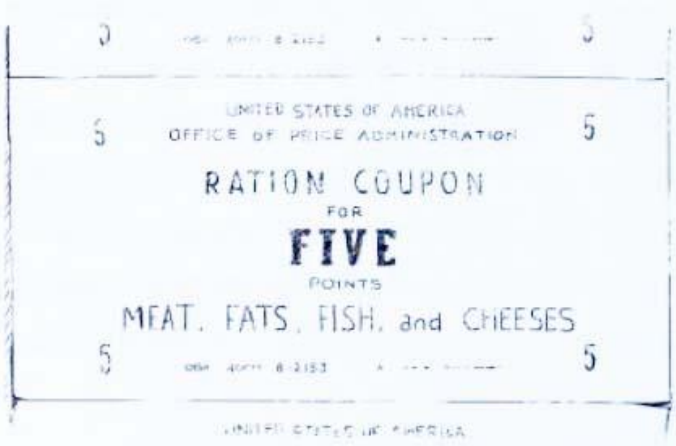
1943 के वसंत में, रेचल, फिश एंड वाइल्डलाइफ सर्विस वाशिंगटन, डीसी में वापस चली गई और फिर सिल्वर स्प्रिंग, मैरीलैंड के एक घर में रहने लगी.



रेचल की माँ, भाई, बहन और भतीजी सभी उस पर निर्भर थे और कई बार वे उसके साथ ही रहते थे. हालाँकि उसकी अभी-अभी पदोन्नति हुई थी, फिर भी रेचल के लिए अपना और अपने परिवार के सभी सदस्यों का भरण-पोषण करना कठिन था. इसलिए उसने फिश एंड वाइल्डलाइफ सर्विस में अपनी नौकरी के साथ-साथ कई पत्रिकाओं में भी लेख लिखना जारी रखा.

द्वितीय विश्व युद्ध और राशनिंग

द्वितीय विश्व युद्ध, जिसे दूसरे महान युद्ध के रूप में भी जाना जाता है, एक वैश्विक युद्ध था जो 1939 से 1945 तक चला. यूरोप और एशिया के अधिकांश लोगों सहित दुनिया का अधिकांश हिस्सा, शुरू से ही उसमें शामिल था. लेकिन अमेरिका ने 1941 तक युद्ध में प्रवेश नहीं किया था. फिर जापान ने पर्ल हार्बर, हवाई में एक अमेरिकी नौसेना स्टेशन पर बमबारी की. युद्ध के कारण, कई उत्पादों की सप्लाई कम हो गई—धातु और रबड़ से लेकर मांस और मक्खन तक सब कुछ. 1945 तक, इनमें से कई उत्पादों को राशन कर दिया गया, जिसका अर्थ था कि परिवारों को सरकार द्वारा जारी राशन टिकटों का उपयोग करके ही प्रत्येक सप्ताह केवल एक निश्चित राशि खरीदने की ही अनुमति थी.


5 5

UNITED STATES OF AMERICA

5 OFFICE OF PRICE ADMINISTRATION 5

RATION COUPON

FOR

FIVE

POINTS

MEAT, FATS, FISH, and CHEESES

5 5

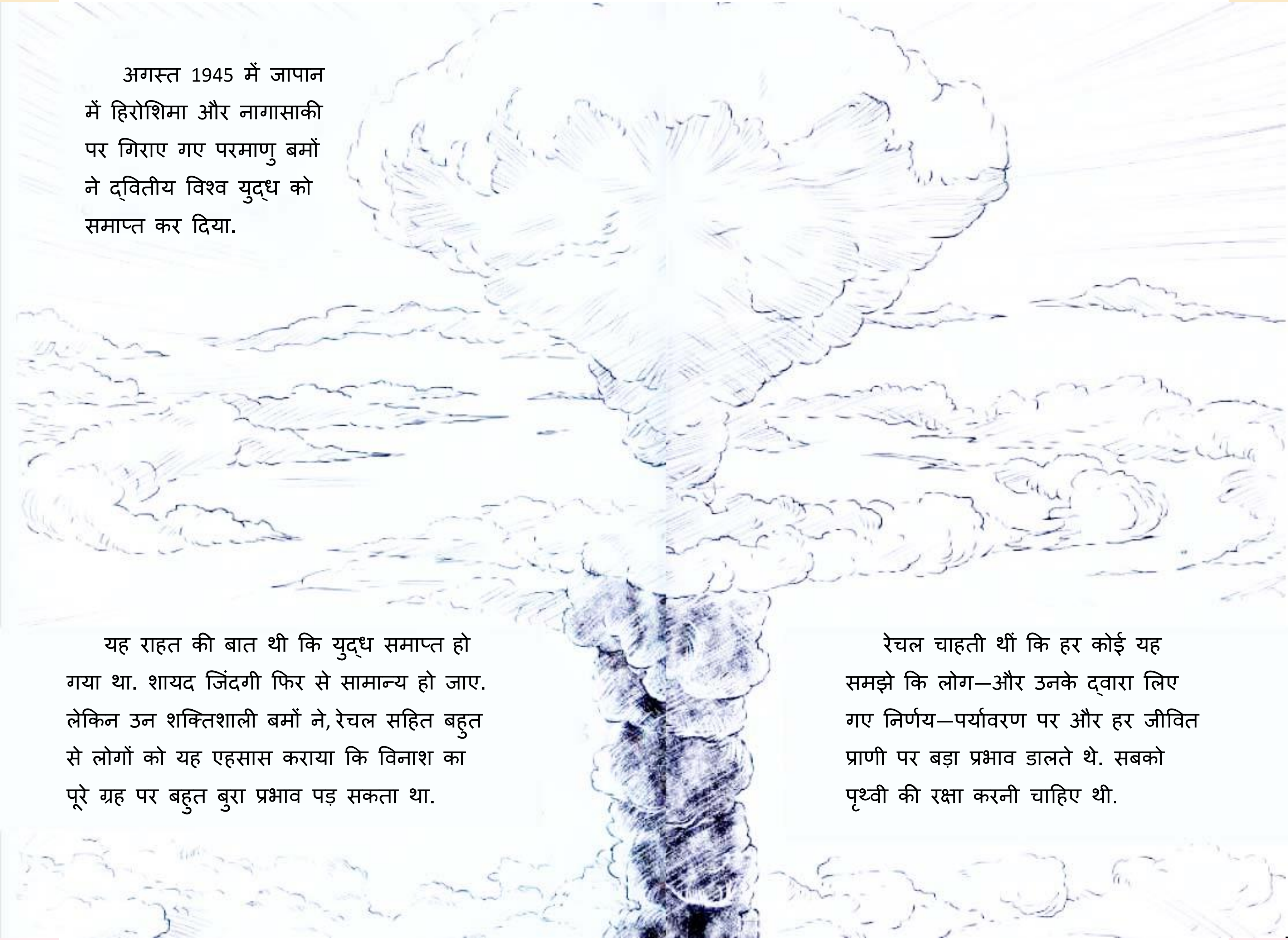
UNITED STATES OF AMERICA





द्वितीय विश्व युद्ध की घटनाओं ने रेचल को बहुत सारे नए विचार दिए. युद्ध के दौरान रडार के बारे में काफी शोध किया गया था. उसने रेचल को चमगादड़ों के बारे में एक लेख लिखने के लिए प्रेरित किया – कि कैसे उनके सोनार कौशल, रडार की तरह ही थे. लेख का नाम "द बैट न्यू इट फर्स्ट" (चमगादड़ को पहले से पता था) था. अमेरिकी नौसेना के कार्यालय ने उसे "सार्वजनिक उपभोग के लिए अभी तक उपलब्ध रडार के सबसे स्पष्ट लेखों में से एक" बताया. हमेशा की तरह, रेचल चाहती थीं कि प्राकृतिक दुनिया का विज्ञान हर किसी को समझ में आए.





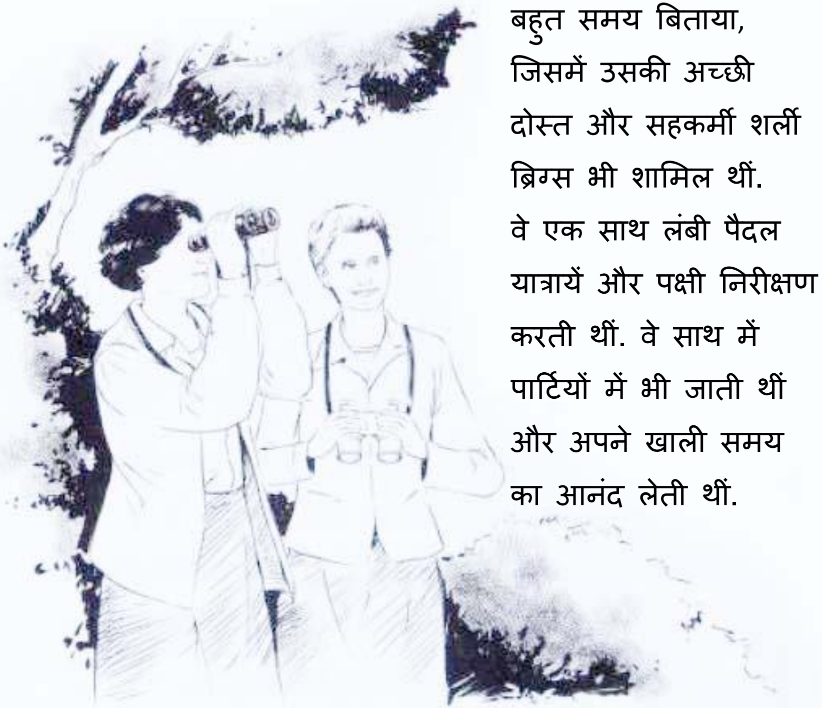
अगस्त 1945 में जापान में हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बमों ने द्वितीय विश्व युद्ध को समाप्त कर दिया.

यह राहत की बात थी कि युद्ध समाप्त हो गया था. शायद जिंदगी फिर से सामान्य हो जाए. लेकिन उन शक्तिशाली बमों ने, रेचल सहित बहुत से लोगों को यह एहसास कराया कि विनाश का पूरे ग्रह पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ सकता था.

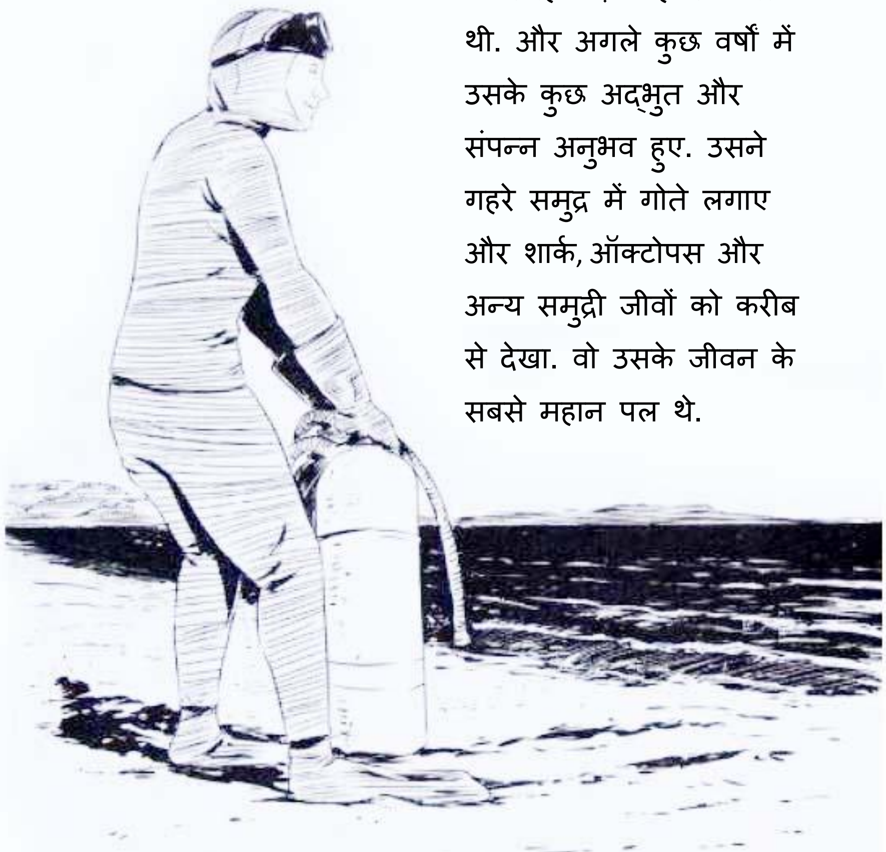
रेचल चाहती थीं कि हर कोई यह समझे कि लोग—और उनके द्वारा लिए गए निर्णय—पर्यावरण पर और हर जीवित प्राणी पर बड़ा प्रभाव डालते थे. सबको पृथ्वी की रक्षा करनी चाहिए थी.

अध्याय 6

अंत में सफलता



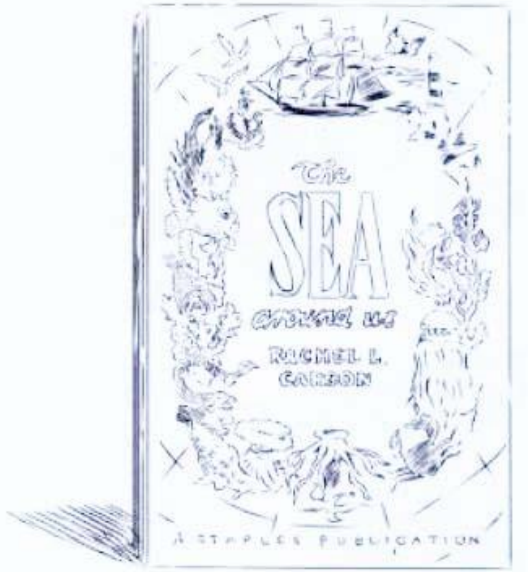
रेचल ने मछली और वन्यजीव सेवा में काम करने वाले लोगों के साथ बहुत समय बिताया, जिसमें उसकी अच्छी दोस्त और सहकर्मी शर्ली ब्रिग्स भी शामिल थीं. वे एक साथ लंबी पैदल यात्रायें और पक्षी निरीक्षण करती थीं. वे साथ में पार्टियों में भी जाती थीं और अपने खाली समय का आनंद लेती थीं.



पर रेचल अभी भी हमेशा की तरह कड़ी मेहनत करती थी. और अगले कुछ वर्षों में उसके कुछ अद्भुत और संपन्न अनुभव हुए. उसने गहरे समुद्र में गोते लगाए और शार्क, ऑक्टोपस और अन्य समुद्री जीवों को करीब से देखा. वो उसके जीवन के सबसे महान पल थे.

बाद में, उसने अपने एक दोस्त से कहा, "सब कुछ थोड़ा अलग सा लगा." उसने दलदली फ्लोरिडा एवरग्लेड्स में मगरमच्छों को भी ट्रैक किया और उत्तरी अटलांटिक महासागर में एक शोध नाव पर अपना समय बिताया.

उसके सभी शानदार अनुभव और उसके द्वारा की गई खोजें उसकी अगली किताब में शामिल हुए. किताब का नाम था "द सी अराउंड अस" (हमारे चारों ओर समुद्र). यह किताब 1951 में प्रकाशित हुई. इसमें रेचेल ने लोगों को सिखाया कि महासागर सभी लोगों को कैसे प्रभावित करते थे.



रेचल ने जिस तरह से इस किताब को लिखा था वो लगभग एक कविता जैसा था. उसके शब्द कोमल थे, और उसने अपने विचारों को स्पष्ट और विचारशील तरीके से व्यक्त किया था. रेचल ने "इकोलॉजी" के बारे में बात की, जो जीवित चीजों के एक समूह और उनके पर्यावरण के बीच का संबंध था. यह पहली बार था जब अधिकांश लोगों ने "इकोलॉजी" शब्द सुना था, और रेचल चाहती थीं कि उनके पाठक यह समझें कि वो कितना महत्वपूर्ण था.

"द सी अराउंड अस" पुस्तक एक बड़ी बेस्टसेलर बनी, और रेचल ने किताब से अच्छा पैसा कमाया. 1951 के क्रिसमस के दौरान, इस किताब की चार हज़ार प्रतियाँ प्रतिदिन बिक रही थीं.

ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक ने दो विशेष पुरस्कार जीते - 1952 में नॉनफिक्शन के लिए नेशनल बुक अवार्ड और नेचर राइटिंग के लिए बरोज़ मेडल. वो पुस्तक न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्ट-सेलर सूची में छियासी सप्ताह तक रही, और उसका अट्ठाईस भाषाओं में अनुवाद हुआ.



रेचल के ज्ञान और समुद्र के प्रेम से पाठक, मोहित हो गए. अब बहुत से लोग उनसे मिलना चाहते थे और उनसे उनकी नवीनतम पुस्तक के बारे में पूछना चाहते थे. लेकिन शर्मीली रेचल कार्सन के लिए यह काम बड़ा कठिन था. उन्हें उस प्रसिद्धि के साथ जीना बहुत मुश्किल लगा जो उनकी अविश्वसनीय किताब उनके लिए लेकर आई थी.

"द सी अराउंड अस" की भारी सफलता के बाद, रेचल ने अपनी पहली पुस्तक, "अंडर द सी-विंड" को फिर से छपवाने का फैसला किया. इस बार किताब टॉप सेलर रही. रेचल क्या कहना चाहती थीं, उसमें लोगों की दिलचस्पी थी. अब बेस्ट-सेलर लिस्ट में उनकी दो किताबें थीं.

अंत में उनकी पैसों की चिंता आखिर खत्म हो गई. 1952 में रेचल ने अपनी नौकरी छोड़ दी और अपना पूरा समय लेखन के लिए समर्पित कर दिया. और वो जिस विषय के बारे में लिखना चाहती थीं वो प्राकृतिक दुनिया थी जिससे वो बहुत प्यार करती थीं.





रेचल ने अपनी अगली किताब के लिए नए विचारों पर शोध करने का फैसला किया. उन्होंने और उनकी माँ ने अमेरिका के पूर्वी तट पर अपनी कार में ऊपर-नीचे यात्रा की, और तटीय क्षेत्रों का गहन अध्ययन किया और नोट्स लिए. रेचल ने डींग मारी कि उसने अपनी माँ के साथ कुछ ही महीनों में, दो हज़ार मील की दूरी तय की थी. उन्होंने फ्लोरिडा में कोरल समुद्र तटों, उत्तरी कैरोलिना में रेतीले समुद्र तटों और मेन में चट्टानी समुद्र तटों का दौरा किया था.



रेचल बहुत ही अलग तरह के स्थानों में, पौधों और समुद्री जीवन का निरीक्षण करना चाहती थीं.

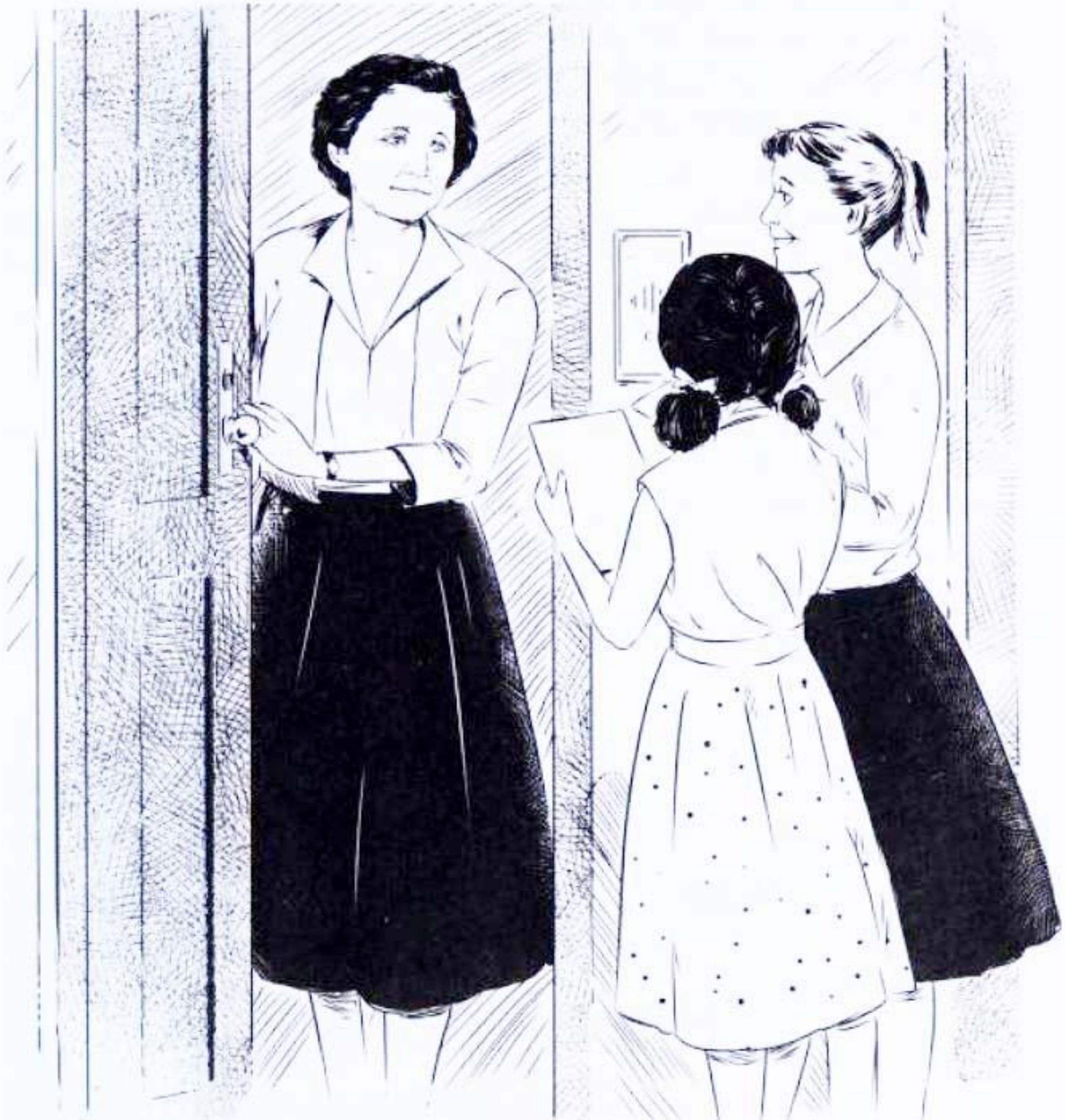
अब जबकि वो पूर्णकालिक लेखक थीं, इसलिए रेचल अपनी अगली पुस्तक बहुत तेज़ी से पूरा कर पाईं. अक्टूबर 1955 में, "द एज ऑफ़ द सी" प्रकाशित हुई. रेचल की नई किताब पढ़ने के लिए पाठक काफी उत्साहित थे.

वो पुस्तक भी तत्काल एक बेस्ट सेलर बन गई. अपनी अन्य पुस्तकों की तरह, उन्होंने समुद्र तटों पर देखे गए जीवों-जानवरों का वर्णन करने के लिए काव्यात्मक शब्द इस्तेमाल किए थे. उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन जगहों के सभी जानवर उन स्थानों के अनुकूल बन गए थे जहाँ वे रहते थे.

चाहे वे कोमल कोरल समुद्र तटों, गर्म रेतीले समुद्र तटों, या उबड़-खाबड़ चट्टानी समुद्र तटों पर रहते हों, जानवर और पौधे जैसे बने वो उनके परिवेश के कारण था. रेचल ने पाठकों को यह समझने में भी मदद की कि वे उन परिवेशों में कैसे फिट होते थे.

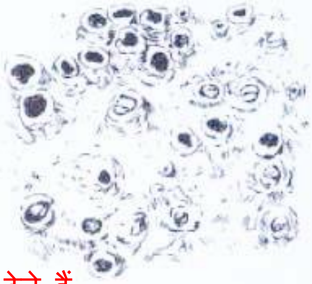
अपनी तीसरी पुस्तक की सफलता के साथ, रेचल और भी प्रसिद्ध हो गईं. उनके प्रशंसक उनसे मिलना चाहते थे. जब वो ब्यूटी पार्लर में अपने बाल ठीक करवाने जातीं, तब भी लोग उन्हें खोज निकालते थे. जब रेचल किसी रेस्तरां में शांत भोजन करने की कोशिश करतीं तो भी लोग उनके पास आते थे. लोगों ने सुबह-सुबह रेचल के होटल के कमरे का दरवाजा भी खटखटाया. रेचल खुश थीं कि इतने सारे लोगों ने अब उन की किताबें पढ़ीं और पसंद कीं थीं, लेकिन कभी-कभी उनके लिए लोगों के अत्यधिक ध्यान को झेलना मुश्किल हो जाता था.

वो अभी भी स्प्रिंगडेल, पेन्सिलवेनिया की वही शर्मीली लड़की थीं, जिसे अकेले अपने दम पर जंगल तलाशना पसंद था.



रेचल कार्सन की कविता

रेचल कार्सन सुंदर और काव्यात्मक शब्दों के उपयोग के माध्यम से लोगों को विज्ञान को समझने में मदद करने के लिए जानी जाती हैं. उनके लेखन ने लोगों के लिए कठिन विचारों को समझना आसान बनाया.



यहाँ उन्होंने समुद्र के किनारे पाए जाने बार्नकल के बारे में लिखा:

"बार्नकल्स अपने जाल को फैलाते हैं और झूलते हुए दो दरवाजे बंद कर देते हैं. फिर वो शुष्क हवा को बाहर फेंकते हैं और समुद्र की नमी को भीतर पकड़े रखते हैं."

और केल्प जंगल में स्टारफ़िश के शिकार पर उन्होंने लिखा है: "यहाँ-वहाँ एक स्टारफ़िश, जिसने पिछले हाई टाइड पर नीचे से आक्रमण किया और वो असावधानी से रुकी रही, उसने अपनी भुजाओं में सीप को पकड़ा था. वो अपने अनेकों पतले नली जैसे पैरों के चूसक सिरों से सीप के पकड़े थी."



अध्याय 7

जूझना

"द एज ऑफ़ द सी" के लिए अपना शोध करते समय, रेचल ने बहुत सारे लेख और किताबें पढ़ी थीं. उन्होंने जो कुछ पढ़ा उसका अधिकांश का हमारी दुनिया में प्रदूषण से गहरा संबंध था. रेचल इस बात से बेहद चिंतित थीं कि कैसे देश भर के शहर और कारखाने, नदियों और महासागरों में, कूड़ा और औद्योगिक कचरा फेंक रहे थे.





रेचल इस बात से दुखी थीं कि जिस महासागर से वो बहुत प्यार करती थीं, उसे एक विशाल कूड़ेदान के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था. उन्होंने "कीटनाशक" नामक शक्तिशाली रसायनों के बारे में भी पढ़ा जिनका फसलों पर छिड़काव किया जा रहा था. किसानों और बड़े निगमों ने दावा किया कि पौधों और फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़ों को मारने के लिए उन्हें कीटनाशकों की जरूरत थी. यहां तक कि अमेरिकी सरकार ने भी घोषणा की कि उन्हें खाद्य फसलों के लिए हानिकारक कीटों के खिलाफ युद्ध छेड़ना होगा. लेकिन रेचल जानती थीं कि "कीटनाशक" पौधों और जानवरों—और उन्हें खाने वाले मनुष्यों के लिए भयानक होंगे.

1957 में, रेचल की भतीजी, मारजोरी, उनकी बहन, मैरियन की बेटी, निमोनिया से मर गई थी. अब रेचल अपनी खुद की 89 वर्षीय मां के अलावा अपनी भतीजी के छोटे बेटे, रोजर की भी देखभाल कर रही थीं. रेचल अपने परिवार से प्यार करती थीं, लेकिन उनकी देखभाल करने में बहुत ऊर्जा लगती थी.



और रेचल का खुद का स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं था. वो कई साल पहले हुई सर्जरी के कारण अक्सर थकी और कमजोर रहती थीं. लेकिन इनमें से किसी ने भी उन्हें पढ़ने और लिखने और शोध करने से नहीं रोका. किसी भी चीज से ज्यादा वो चाहती थीं कि दुनिया उनके द्वारा खोजी गई चीजों के बारे में सुने.

अपने समय की तमाम मांगों के बावजूद, रेचल एक नई परियोजना पर काम कर रही थीं. वो सोच रही थीं कि उन्होंने प्रदूषण और कीटनाशकों के बारे में जो कुछ सीखा था वो उसे दुनिया को कैसे बता सकती थीं. और फिर उन्हें अपनी एक दोस्त ओल्गा ओवेन्स हकिन्स का एक पत्र मिला. पत्र में लिखा था कि ओल्गा ने अपने यार्ड में कई मृत रोबिन पक्षियों को पाया था. उन्होंने कहा कि मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए किए गए कीटनाशक छिड़काव के कारण पक्षियों की मौत हो गई थी. और उसके बावजूद अब पहले से कहीं अधिक मच्छर थे!



जिस कीटनाशक का छिड़काव किया गया था उसे डीडीटी कहा जाता था. ओल्गा ने रेचल से पूछा कि क्या वो इसके बारे में कुछ कर सकती थीं. रेचल जानती थीं कि वो निश्चित रूप से उसके बारे में कुछ कर सकती थीं.

1953 में उन्होंने मेन के तट पर जमीन का एक टुकड़ा खरीदा था और वहां एक छोटी सी कुटिया बनाई. उनकी किताबों ने उन्हें मशहूर बना दिया था, और रेचल बचने के लिए किसी एकांत जगह तलाश रही थीं. रेचल, रोजर और अपनी मां के साथ वहां रहने गईं. दिन के दौरान, रेचल और रोजर समुद्र के किनारे घूमते थे और प्रकृति की खोज करते थे. वहाँ उन्होंने मॉस और फर्न का भी अध्ययन किया.





रेचल ने कीटनाशकों और प्रकृति पर उनके प्रभाव के बारे में सीखने में अधिक समय बिताने का फैसला किया. वो जानती थीं कि वो कोई आसान शोध परियोजना नहीं होगी. कई लोगों के अनुसार वो एक बुरा विचार था, लेकिन रेचल जानती थीं कि किसी को तो अपनी जुबान खोलनी ही होगी.

रेचल ने जितनी अधिक खोजबीन की, वो उतनी ही परेशान होती गईं. वो पता लगा रही थीं कि प्रदूषण और कीटनाशकों से पक्षियों, कीड़ों, मछलियों और अन्य जानवरों को कैसे खतरा था. और इंसानों के बारे में क्या? अगर प्रदूषण और कीटनाशक, जानवरों को बीमार करते थे, तो निश्चित रूप से वे लोगों को भी बीमार करेंगे.

और रात में वो एक टॉर्च लेकर चट्टानी तालों में समुद्री जीवन का निरीक्षण करते थे - छोटे केकड़े, स्टार-फिश, और एनीमोन. रेचल को बस इसी तरह की शांति की जरूरत थी. उसने उन्हें अपने बचपन की याद दिलाई. रेचल, रोजर को, प्रकृति के चमत्कारों और सुंदरता के बारे में भी सिखाना चाहती थीं, बिल्कुल वैसे ही, जैसे उनकी माँ ने उन्हें सिखाया था.



डीडीटी

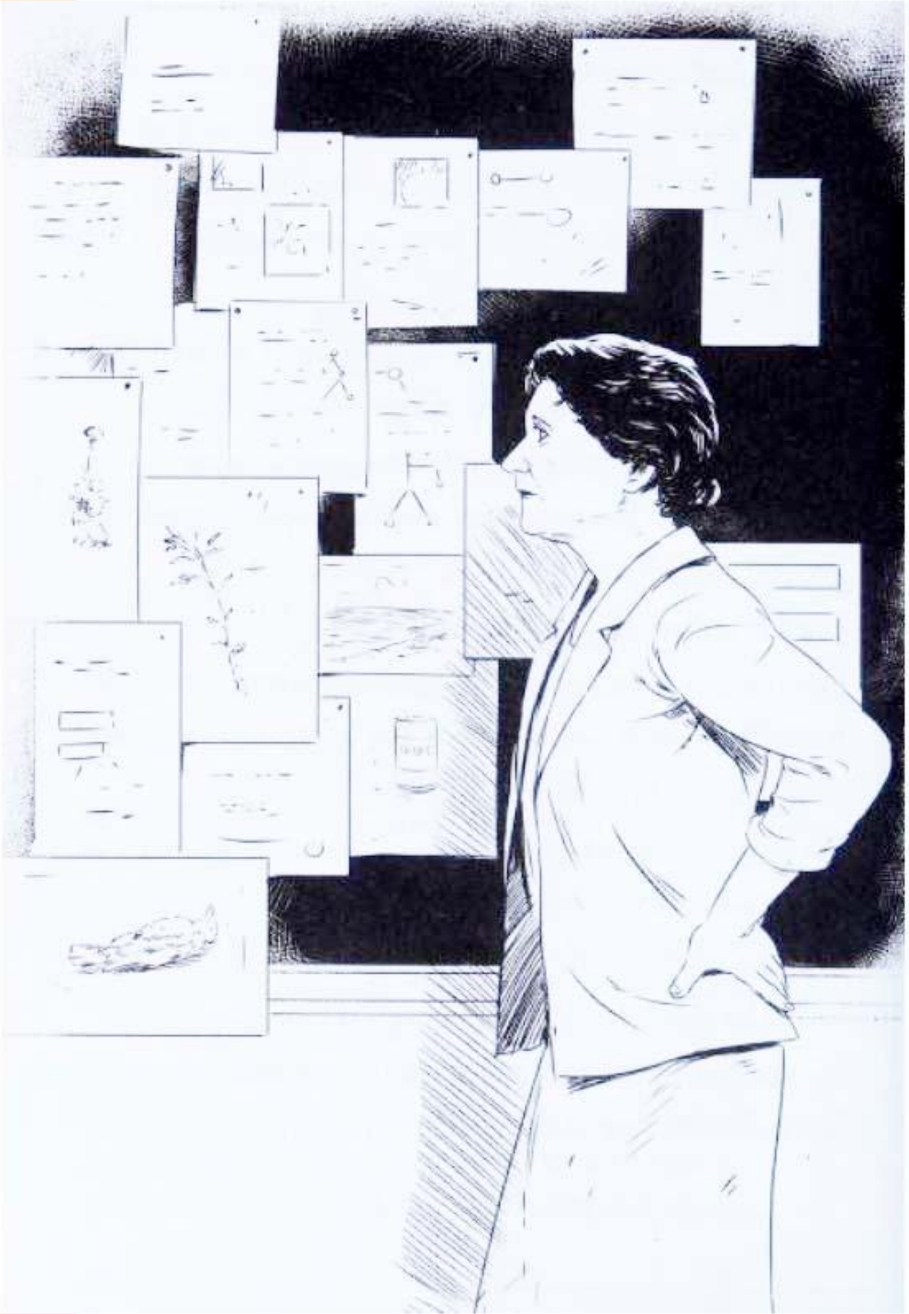


डीडीटी, या डिक्लोरो-डिफेनील-ट्राइक्लोरोइथिलीन, का द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जूँ और अन्य कीड़े जो रोग फैलाते थे, को मारने के लिए इस्तेमाल किया गया था. युद्ध के बाद, अमेरिकी सरकार ने ड्यूपॉन्ट नामक एक रासायनिक कंपनी को उपभोक्ताओं और व्यवसायों को इसे बेचने की अनुमति दी, भले ही वैज्ञानिक इस बात को लेकर चिंतित थे कि उसका पर्यावरण पर गलत प्रभाव पड़ सकता था. अमेरिकी सरकार ने कीटों को नियंत्रित करने के लिए उसका उपयोग करना जारी रखा. किसानों ने इसका इस्तेमाल अपनी फसलों को बर्बाद करने वाले कीड़ों और जंतुओं को मारने के लिए किया. अमेरिकी सरकार और ड्यूपॉन्ट कंपनी ने अमेरिकियों को बताया कि वो रसायन सुरक्षित था. लेकिन तब कई वैज्ञानिक इन रसायनों पर शोध कर रहे थे. उन्हें पता चला कि उन रसायनों ने पर्यावरण को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाया था. ये रसायन ज़हरीले थे और लोगों, पौधों और जानवरों को बीमार कर रहे थे.

रेचल ने बहुत सारे लोगों से बात की—कीटों और जानवरों के विशेषज्ञ, उन दोस्तों से जिनके साथ वो सरकार में काम करती थीं, डॉक्टर जो लोगों का इलाज करते थे, और यहाँ तक कि शिकार और मछली पकड़ने वाले समूहों से भी.

वो एक खतरनाक काम था और रेचल के कुछ दोस्त उनके बारे में चिंतित थे. उन्होंने सोचा कि अगर रेचल ने बड़े व्यापार, सरकारी एजेंसियों और कीटनाशकों का इस्तेमाल करने वाले किसानों की आलोचना की, तो ये समूह उनकी प्रतिष्ठा को बर्बाद करने की कोशिश करेंगे. लेकिन रेचल का व्यवसाय से कोई संबंध नहीं था, और वो अब सरकार के लिए भी काम नहीं कर रही थीं. उन्होंने आशा व्यक्त की कि इससे वो अपना शोध अधिक स्वतंत्र रूप से कर पाएंगी. वो लोगों को दिखाना चाहती थीं कि हवा और पानी को साफ रखना महत्वपूर्ण था और जरूरी भी.

रेचल ने इस नए काम को गुप्त रखा. वो यह सुनिश्चित करना चाहती थीं कि कोई उन्हें रोकने की कोशिश न करे. हमेशा की तरह, क्योंकि रेचल यह सुनिश्चित करना चाहती थीं कि उनका शोध बिल्कुल सही हो, उन्होंने अपने शोध और तथ्यों की दोबारा जाँच की.



उन्होंने वैज्ञानिकों से उनके काम को पूरी तरह से पढ़ने के लिए कहा जिससे उसमें कोई खोट न बचे. उन्होंने सभी से उनके प्रोजेक्ट को गुप्त रखने की भी विनती की.

रेचल ने जो सोचा था, कीटनाशकों और प्रदूषण की समस्या उससे कहीं बदतर निकली. ज्यादातर लोगों ने सोचा कि सरकार उन्हें खतरों से बचाएगी और वो बीमार न हों उसके लिए सही उपाय करेगी. लेकिन रेचल के शोध ने उन्हें दिखाया कि वो सच नहीं था.

अध्याय 8

साइलेंट स्प्रिंग

नवंबर 1958 में, डीडीटी और अन्य कीटनाशकों में रेचल के शोध के ठीक बीच में, उनकी मां को दौरा पड़ा. कुछ ही दिनों में मारिया कार्सन की मृत्यु हो गई. उससे रेचल इतनी उदास हुईं कि उन्होंने काम करना बंद कर दिया. उनकी दुनिया उनकी माँ के बिना पहले जैसे नहीं चल सकती थी.

ऊपर से, रेचल को एक के बाद एक बीमारियाँ होने लगीं. पहले उन्हें फ्लू हुआ, फिर पेट में अल्सर और फिर गठिया हो गया. रेचल के घुटनों में भी संक्रमण हो गया, जिसका अर्थ था कि वो महीनों तक समुद्र के किनारे टहलने भी नहीं जा सकती थीं. 1960 में, रेचल को और भी बदतर बीमारी हो गई: उन्हें कैंसर होने का पता चला. वो बहुत बीमार थीं. क्या अब वो कभी अपने प्रोजेक्ट का काम पूरा कर पाएंगी?



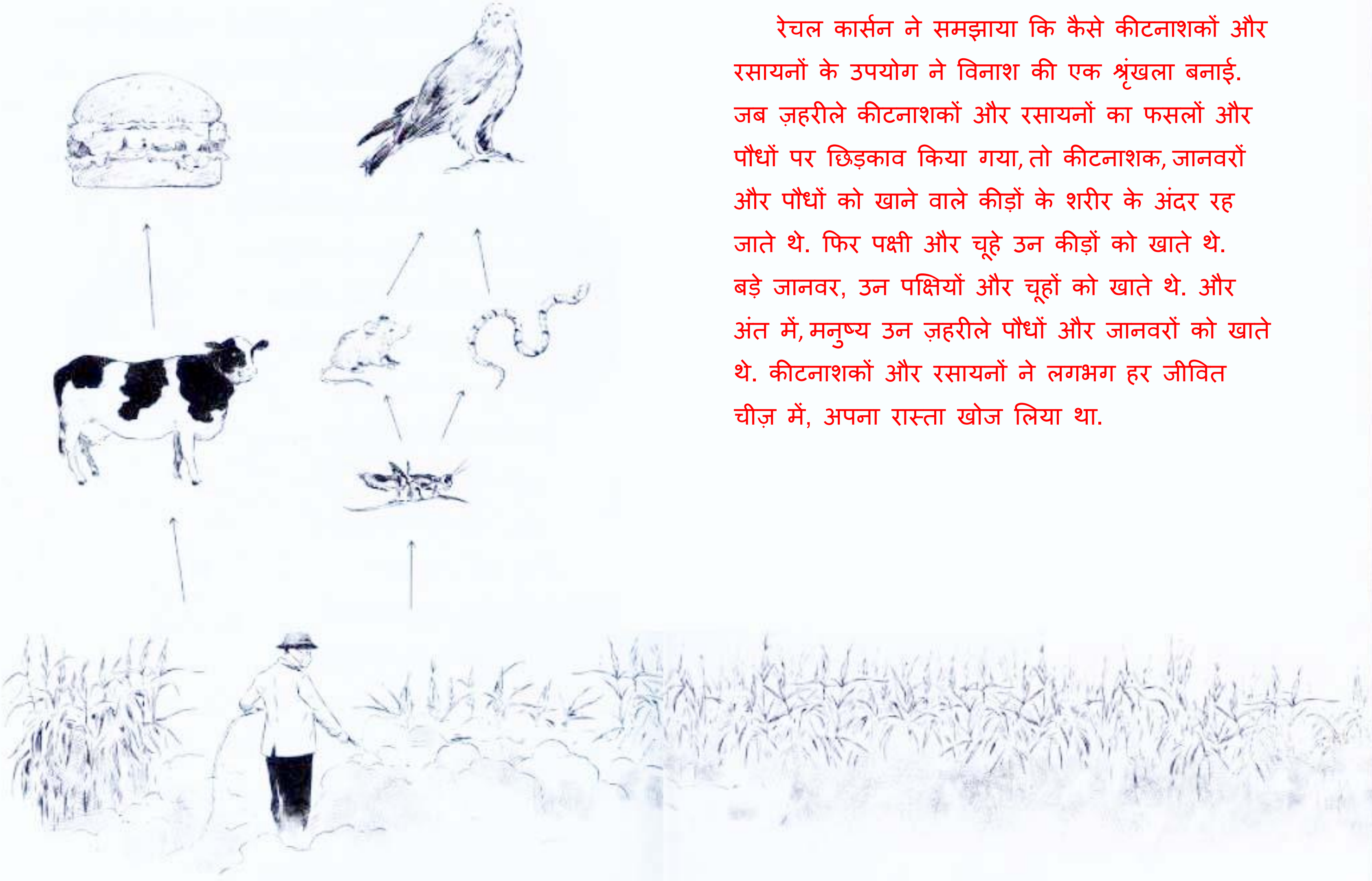
लेकिन रेचल जानती थीं कि उनका काम बेहद महत्वपूर्ण था. दुनिया को इसके बारे में जानने की जरूरत थी, इसलिए वो लिखती रहीं. उन्हें अक्सर दर्द रहता था और उन्हें कई बार अस्पताल आना-जाना पड़ता था.



1962 की शुरुआत में, रेचल की नवीनतम पुस्तक तैयार हुई. रेचल और उनके एजेंट, मैरी रोडेल ने "प्रकृति के खिलाफ युद्ध" और "प्रकृति के साथ युद्ध" जैसे शीर्षकों पर चर्चा की. हालाँकि पुस्तक का विषय गंभीर था, लेकिन वे शीर्षक रेचल के काव्य लेखन के लिए बहुत कठोर लग रहे थे. मैरी ने "साइलेंट स्प्रिंग" एक शीर्षक के रूप में सुझाया. रेचेल ने अपनी पुस्तक में एक अध्याय शामिल किया था कि कैसे प्रदूषण और रसायनों का पक्षियों पर प्रभाव पड़ा था, गौरैया से लेकर चील तक सब पर. उन्होंने उस अध्याय के शीर्षक को "साइलेंट स्प्रिंग" नाम देने के बारे में सोचा था. लेकिन रेचल के एजेंट ने सोचा कि शीर्षक पूरी किताब के लिए भी अच्छा काम करेगा. उससे लोगों को पता चलेगा कि अगर कीटनाशकों के इस्तेमाल और प्रदूषण को रोकने के लिए कुछ नहीं किया गया तो पृथ्वी का भविष्य खामोश और उदास हो जाएगा.


मैरी रोडेल

विनाश की श्रृंखला



रेचल कार्सन ने समझाया कि कैसे कीटनाशकों और रसायनों के उपयोग ने विनाश की एक श्रृंखला बनाई. जब ज़हरीले कीटनाशकों और रसायनों का फसलों और पौधों पर छिड़काव किया गया, तो कीटनाशक, जानवरों और पौधों को खाने वाले कीड़ों के शरीर के अंदर रह जाते थे. फिर पक्षी और चूहे उन कीड़ों को खाते थे. बड़े जानवर, उन पक्षियों और चूहों को खाते थे. और अंत में, मनुष्य उन ज़हरीले पौधों और जानवरों को खाते थे. कीटनाशकों और रसायनों ने लगभग हर जीवित चीज़ में, अपना रास्ता खोज लिया था.

रेचल ने अपनी किताब लिखने में काफी मेहनत की थी. उन्होंने अपने शब्दों को लिखा और फिर से लिखा था ताकि पाठक जटिल वैज्ञानिक विचारों को समझ सकें. "साइलेंट स्प्रिंग" को पूरा करने में उन्हें चार साल से अधिक का समय लगा. लेकिन क्या लोग किताब को पढ़ेंगे और उसे एक चेतावनी के रूप में देखेंगे? क्या लोग किताब पढ़ने के बाद स्थिति को बदलने में मदद करना चाहेंगे?

मैरी रोडेल ने रेचल के प्रकाशक को "साइलेंट स्प्रिंग" भेजी. उन्होंने उसे "द न्यू यॉर्कर" पत्रिका को भी भेजा. कुछ दिनों बाद, रेचल का फोन देर रात को बजा. "द न्यू यॉर्कर" के संपादक; विलियम शॉन ने अभी-अभी पुस्तक पढ़कर समाप्त की थी. जैसे ही उन्होंने किताब ख़त्म की उन्होंने रेचल को फोन किया.



विलियम शॉन

रेचल ने जिन बातों के बारे में लिखा था, उसे पढ़कर वो हैरान रह गए. सरकार बड़ी रासायनिक कंपनियों को पौधों, जानवरों और मनुष्यों को नुकसान पहुँचाने की अनुमति कैसे दे सकती थी? क्या नुकसान को रोकने में बहुत देर हो चुकी थी?

रेचल के कानों के लिए वे शब्द संगीत थे. उन्हें बिल्कुल वैसी ही प्रतिक्रिया मिल रही थी जो वो चाहती थीं. और उन्हें उम्मीद थी कि किताब पढ़ने वाले सभी लोगों की प्रतिक्रिया एक जैसी ही होगी. मिस्टर शॉन ने पूछा कि क्या वो पुस्तक प्रकाशित होने से पहले अपनी पत्रिका में रेचल की किताब के कुछ हिस्सों को छाप सकते थे. रेचल ने उन्हें उसकी अनुमति दे दी.

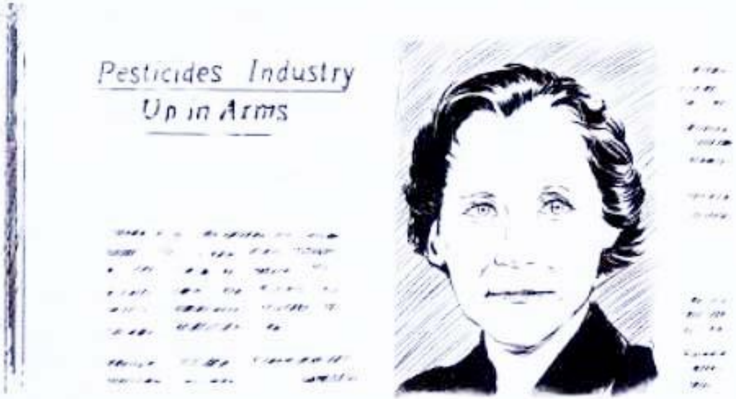
हालांकि रेचल को अतीत में, फैन मेल मिली थी, लेकिन अब की तुलना में वो कुछ भी नहीं थी. जैसे ही "द न्यू यॉर्कर" में "साइलेंट स्प्रिंग" के अध्याय छपे, चिट्ठियां आने लगीं. रेचेल ने जो कुछ कहा था उसे पढ़कर लोग हैरान रह गए.



कुछ पत्रों में यह भी कहा गया था कि रेचल को नहीं पता था कि वो किस बारे में बात कर रही थीं. लेकिन अधिकांश पत्र प्रशंसा में थे. "द न्यू यॉर्क टाइम्स" अखबार में एक लेख में कहा गया था कि रेचल ने एक कहानी लिखी थी "चाहे मौसम कितना भी गर्म क्यों न हो, लोग उस किताब को पढ़कर सुन्न हो जाएंगे." लेकिन रेचल और "द न्यू यॉर्कर" पत्र प्राप्त करने वाले अकेले नहीं थे. चिंतित और आक्रोश से भरे पाठकों ने समाचार पत्रों, रासायनिक कंपनियों और सरकार को भी अनेकों पत्र भेजे.



रेचल ने अपनी पुस्तक में जो कहा था, उससे रासायनिक कंपनियों और कृषि-विभाग के प्रतिनिधि खुश नहीं थे. उन्होंने वापस लड़ने का फैसला किया. उन्होंने अखबारों और पत्रिकाओं में लेख लिखे, और टीवी और रेडियो पर यह कहकर चले गए कि रेचल के तथ्य गलत थे.



लेकिन रेचल को यकीन था कि उनका शोध एकदम खरा और सच्चा था. उन्होंने हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की थी कि वो जो कुछ भी लिखें वो सच हो. और रेचल कीटनाशकों के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगाना चाहती थीं.

वो बस यह चाहती थीं कि लोग उनके बारे में और जानें और यह समझें कि उनका पूरे पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता था - प्रकृति में पाई जाने वाली हर चीज को कीटनाशकों से नुकसान हो सकता था. रेचल चाहती थीं कि सरकार और रासायनिक कंपनियां यह सुनिश्चित करें कि लोगों को रसायनों का इस्तेमाल करने और उन्हें बेचने से पहले वो उनका सही परीक्षण करें.

अध्याय 9

शांति और चुप्पी

फिर भाषण देने के निमंत्रणों की बाढ़ आई. हालाँकि रेचल अभी भी सार्वजनिक रूप से बोलने से कतराती थीं, वो अधिक-से-अधिक लोगों तक पहुँचना चाहती थीं. वो टीवी पर आने के लिए तैयार हो गईं क्योंकि तब लाखों लोग उनकी बात को सुन पाते. 3 अप्रैल, 1963 को, सीबीएस रिपोर्ट्स ने "द साइलेंट स्प्रिंग ऑफ़ रेचल कार्सन" नामक एक घंटे का टीवी कार्यक्रम प्रसारित किया.



सीबीएस चाहता था कि लोग रेचल के संदेश को सुनें, भले ही रासायनिक कंपनियों ने सीबीएस से कार्यक्रम का प्रसारण न करने का आग्रह किया था और यहां तक कि उन्हें दिए विज्ञापन को रद्द करने की धमकी भी दी थी. इस शो को, एक करोड़ से ज्यादा लोगों ने देखा. वो सन्देश उन लोगों तक पहुंचा जिन्होंने रेचल की किताब नहीं पढ़ी थी और जो प्रदूषण और कीटनाशकों के मुद्दों से अवगत नहीं थे.

यहां तक कि अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी ने रेचल की किताबों को पढ़ा था. उन्होंने उन लोगों को भी सुना जो रेचल से असहमत थे. राष्ट्रपति केनेडी ने कुछ वैज्ञानिकों से एक विशेष रिपोर्ट लिखने को कहा जो उन्हें यह तय करने में मदद करे कि कौन सही था और कौन गलत. 15 मई, 1963 को राष्ट्रपति की विशेष समिति की रिपोर्ट जारी की गई.



रिपोर्ट में कहा गया है कि रेचल के तथ्य सही थे. उस रिपोर्ट के कारण, नए कानून पारित किए गए जो रासायनिक प्रदूषण और कीटनाशकों के उपयोग को सीमित करते थे. सरकार ने रेचल के सुझावों का भी पालन किया कि फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के वैकल्पिक तरीके कैसे खोजे जाएं.

रेचल अब अधिक-से-अधिक प्रसिद्ध हो रही थीं, लेकिन वो अपने कैंसर के कारण कमजोर भी हो रही थीं. 1963 की गर्मियों में, रेचल ने फैसला किया कि उन्हें अब एक छुट्टी की सख्त ज़रुरत थी. वो अपने दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए मेन स्थित अपने घर गईं. वो समुद्र की आवाज सुनना चाहती थीं और समुद्र तट के जीवों को देखना चाहती थीं. समुद्र के करीब होने के कारण ही, उन्हें याद आया, कि क्यों उन्होंने अपना जीवन प्रकृति की देखभाल के लिए समर्पित किया था.

भले ही रेचेल मेन चली गईं थीं, फिर भी उन्होंने तमाम लोगों से बात करने की पूरी कोशिश की. उन्हें दुनिया भर से निमंत्रण आने लगे. लेकिन उनका कैंसर भी फैलता रहा.





एक भाषण के दौरान, रेचल इतनी कमजोर थीं कि उन्हें व्हील-चेयर पर बैठकर मंच पर बोलने के लिए लाया गया.

रेचल 1964 की शुरुआत में मैरीलैंड लौट आईं. वो थकी हुई थीं, लेकिन वो गर्व और उत्साहित भी थीं कि उनकी किताब ने लोगों का ध्यान खींचा था. अब अमेरिका और दुनिया भर में लोग प्रदूषण और कीटनाशकों के खतरे के बारे में बात कर रहे थे.

कानून पारित किए जा रहे थे जो दुनिया को लोगों द्वारा किए जा रहे नुकसान को धीमा करेंगे. वर्षों की मेहनत रंग लाई. स्प्रिंगडेल, पेंसिल्वेनिया की शर्मीली लड़की ने दुनिया को बदल दिया था.



14 अप्रैल, 1964 को, रेचल कार्सन का मैरीलैंड के सिल्वर स्प्रिंग में, अपने घर पर निधन हो गया. वो केवल छप्पन वर्ष की थीं.

"साइलेंट स्प्रिंग" प्रकाशित होने के बाद से, वो आधुनिक इतिहास की सबसे चर्चित किताबों में से एक बन गई. रेचल कार्सन ने पर्यावरण के मुद्दों पर दुनिया की आंखें खोलीं जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता था.

एक महत्वपूर्ण विरासत

हमारे पर्यावरण की रक्षा करने वाले कानूनों पर रेचल कार्सन के प्रभाव की गणना करना कठिन है. वो सिर्फ एक अकेली व्यक्ति थीं. लेकिन एक अग्रणी पर्यावरणविद् के रूप में, उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारे देश और दुनिया को बदल दिया.



• 1963 और 1974 के बीच, कांग्रेस ने स्वच्छ वायु अधिनियम, स्वच्छ जल अधिनियम, और सुरक्षित पेय जल अधिनियम सहित कई नीतियां लागू कीं.

• 1969 में, कांग्रेस ने राष्ट्रीय पर्यावरण नीति अधिनियम को मंजूरी दी, जिसमें संघीय एजेंसियों को प्रमुख परियोजनाओं के प्रभाव पर विचार करने की आवश्यकता थी, जैसे कि सड़कों और बांधों का निर्माण, जंगल की सफाई, और दलदली भूमि की निकासी.

• 1970 में, राष्ट्रपति निक्सन ने पर्यावरण संरक्षण एजेंसी की स्थापना की— जो पर्यावरण की रक्षा करने वाली सभी सरकारी गतिविधियों की देखभाल के लिए एक अकेली एजेंसी थी.

• 1972 में, अमेरिका में डीडीटी को अधिकांश उपयोगों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था.



रेचल कार्सन के जीवन की समयरेखा

1907 मई 27, स्प्रिंगडेल, पेन्सिलवेनिया में जन्म

1918 "सेंट निकोलस" पत्रिका में पहली कहानी प्रकाशित

1925 पेन्सिलवेनिया कॉलेज फॉर वूमेन में दाखिला लिया

1929 कॉलेज से स्नातक, वुड्स-होल अनुसंधान प्रयोगशाला में गर्मी बिताई

1932 जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री

1935 ब्यूरो ऑफ फिशरीज में काम शुरू; पिता की मृत्यु

1941 में पहली पुस्तक प्रकाशित हुई: "अंडर द सी-विंड"

1951 दूसरी पुस्तक प्रकाशित: "द सी अराउंड अस"

1952 नॉन-फिक्शन के लिए राष्ट्रीय पुस्तक पुरस्कार मिला

1955 तीसरी पुस्तक प्रकाशित: "द एज ऑफ़ द सी"

1957 में पर-पोते रोजर को उसकी मां की मृत्यु के बाद गोद लिया

1958 माँ का देहांत

1962 "साइलेंट स्प्रिंग" प्रकाशित हुई

1962 सीबीएस टीवी रिपोर्ट में भाग लिया

1963 छप्पन वर्ष की आयु में निधन

दुनिया की समयरेखा

1914 प्रथम विश्व युद्ध शुरू

1918 प्रथम विश्व युद्ध समाप्त; इन्फ्लूएंजा महामारी से दुनिया भर में 20-40 मिलियन लोगों की मृत्यु

1920 महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला

1928 पेनिसिलिन की खोज

1929 महामंदी के कारण अमेरिकी शेयर बाजार टूटा

1932 वैज्ञानिकों ने परमाणु का विभाजन किया

1937 जे. आर. आर. टोल्किन द्वारा लिखित "द हॉबिट" प्रकाशित

1939 द्वितीय विश्व युद्ध शुरू

1945 अमेरिका ने जापानी शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए; द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त

1947 ऐनी फ्रैंक द्वारा लिखित "डायरी ऑफ़ ए यंग गर्ल" प्रकाशित

1952 ड्वाइट आइजनहावर अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए

ई. बी. व्हाइट की पुस्तक "चार्लोट्स वेब" प्रकाशित

1955 पोलियो के टीके की घोषणा

1960 जॉन एफ. कैनेडी अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए

1972 डीडीटी के व्यापक उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया